दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-102 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 7 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'ईमानदारी और आत्मसम्मान की राह भले ही कठिन और धीमी हो, लेकिन यही वह रास्ता है जो अंततः व्यक्ति को सच्ची सफलता, सम्मान और स्थायी संतोष तक पहुंचाता है। जो लोग सिद्धांतों पर अडिग रहते हैं, वही समाज में वास्तविक परिवर्तन और प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

महंगाई और शिक्षा का संकटः गरीबों के सपनों पर बढ़ता बोझ

आज के आधुनिक युग में शिक्षा को सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी माना जाता है। यह केवल व्यक्ति के जीवन को दिशा देने का माध्यम ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला भी है। किंतु वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यही शिक्षा धीरे-धीरे गरीब और वंचित वर्ग की पहुँच से दूर होती जा रही है। बढ़ती महंगाई और शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण ने इस समस्या को और अधिक गंभीर बना दिया है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

पिछले कुछ वर्षों में महंगाई ने आम आदमी की आर्थिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित किया है। आटा, दाल, तेल, सब्जी, गैस और ईंधन जैसी दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। एक सामान्य मजदूर या निम्न आय वर्ग के परिवार की आय का बड़ा हिस्सा केवल दो वक्त की रोटी जुटाने में ही खर्च हो जाता है। ऐसे में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताएँ धीरे-धीरे परिवार की प्राथमिकताओं से पीछे छूटती चली जाती हैं। गरीब अभिभावकों के सामने सबसे बड़ी दुविधा यह होती है कि वे सीमित आय में घर का खर्च चलाएँ या अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च करें। जब परिवार की जरूरतें पूरी करना ही मुश्किल हो जाता है, तब बच्चों की स्कूल फीस, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक खर्च एक भारी बोझ बन जाते हैं। परिणामस्वरूप कई बार बच्चों को पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ती है या उन्हें कम उम्र में ही मजदूरी के लिए मजबूर होना पड़ता है।

शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ता निजीकरण भी इस समस्या का एक बड़ा कारण है। आज अधिकांश निजी स्कूल और शिक्षण संस्थान शिक्षा को सेवा के बजाय एक व्यापार के रूप में देखने लगे हैं। भारी भरकम फीस, महंगी किताबें और अनिवार्य कोचिंग का दबाव शिक्षा को एक 'उत्पाद' में बदल चुका है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए इन संस्थानों में बच्चों को पढ़ाना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। दूसरी ओर, सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं कही जा सकती। कई स्थानों पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव, शिक्षकों की कमी, कमजोर अधोसंरचना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी के कारण गरीब बच्चों को वह अवसर नहीं मिल पाता, जो उन्हें मिलना चाहिए। नतीजतन, वे प्रतिस्पर्धा की दौड़ में पीछे रह जाते हैं। जब एक ओर संपन्न वर्ग के बच्चे आधुनिक संसाधनों और बेहतर शिक्षण व्यवस्था का लाभ उठाते हैं, वहीं गरीब वर्ग के बच्चे सीमित संसाधनों के कारण अपनी प्रतिभा के बावजूद आगे नहीं बढ़ पाते। उच्च शिक्षा की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और अन्य प्रोफेशनल कोर्सों की फीस लाखों रुपये तक पहुँच चुकी है। ऐसे में कई प्रतिभाशाली छात्र केवल आर्थिक अभाव के कारण अपने सपनों को साकार नहीं कर पाते। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत नुकसान ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रतिभा का भी नुकसान है।

इस प्रकार एक खतरनाक सामाजिक असंतुलन पैदा हो रहा है, जहाँ अमीर वर्ग बेहतर शिक्षा के माध्यम से और अधिक सशक्त बनता जा रहा है, जबकि गरीब वर्ग शिक्षा के अभाव में गरीबी के दुष्चक्र में फँसा रह जाता है। यह स्थिति सामाजिक असमानता को बढ़ाने के साथ-साथ समाज में निराशा और मानसिक तनाव को भी जन्म देती है। कई गरीब माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा न दिला पाने के कारण मानसिक पीड़ा और अवसाद का सामना करते हैं। इस समस्या का समाधान केवल व्यक्तिगत प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में बेहतर अधोसंरचना, पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को लागू करना होगा। शिक्षा की गुणवत्ता ऐसी होनी चाहिए कि वह निजी संस्थानों को भी चुनौती दे सके। इसके साथ ही, जरूरतमंद और प्रतिभाशाली छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। शिक्षा ऋण की प्रक्रिया को भी सरल और सुलभ बनाया जाना चाहिए, ताकि आर्थिक अभाव किसी भी छात्र की प्रतिभा के मार्ग में बाधा न बन सके। साथ ही, सरकार को महंगाई पर नियंत्रण के लिए भी प्रभावी नीतियाँ बनानी होंगी, ताकि आम आदमी की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

वास्तव में शिक्षा कोई विलासिता नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। यदि समाज का एक बड़ा हिस्सा शिक्षा से वंचित रह जाएगा, तो देश के समग्र विकास की कल्पना भी अधूरी रह जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा को सभी के लिए समान रूप से सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए। तभी हम एक ऐसे समाज की स्थापना कर सकेंगे जहाँ हर बच्चा अपनी प्रतिभा के आधार पर आगे बढ़ सके और देश के विकास में अपना योगदान दे सके।

स्कूलों में वार्षिक परीक्षा, परिणाम भी होगा प्रभावित

एसआईआर का काम पूरा होते ही अब जनगणना कार्य में लगी एक हजार से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी

शिक्षक बोले-अन्य एजेंसी से कराया जाए यह काम

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। शिक्षक दो महीने से एसआईआर में लगे थे। यह काम अभी पूरी ही हुआ है कि अब शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाने का काम प्रारंभ हो गया है। जयपुर के एक हजार से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा चुकी है और उनको 6 मार्च को जनगणना सेल में ड्यूटी देने के निर्देश दिए गए हैं।

वार्षिक परीक्षा से ठीक पहले इस प्रकार ड्यूटी लगाए जाने का शिक्षक संगठनों ने विरोध किया है। उनका कहना है कि 7 मार्च से वार्षिक परीक्षा है। इसके बाद 25 मार्च को परिणाम जारी करना है। एक अप्रैल से नया सत्र प्रारंभ होगा। ऐसे में इन शिक्षकों की ड्यूटी लगने से यह काम प्रभावित होने की संभावना है। शिक्षा संकुल में 6 मार्च को शिक्षा सचिव ने शिक्षक संगठनों को वार्ता के लिए बुलाया है। इस बैठक में भी यह मुद्दा छाया रहेगा। शिक्षक संगठनों का कहना है कि इस काम के लिए किसी एनजीओ या संविदाकर्मियों को लगाया जाए। शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने का काम ही करने दिया जाए।

शिक्षकों को पढ़ाने का ही समय नहीं मिल पा रहाः अरस्तु

अखिल राजस्थान विद्यालय शिक्षक संघ (अरस्तु) के प्रवक्ता देवकरण गुर्जर बोले- 2 महीने से शिक्षक एसआईआर में लगे थे। उनको पहले से ही पढ़ाने का समय नहीं मिल पा रहा था। अब जनगणना कार्य में ड्यूटी से नई मुसीबत खड़ी हो गई है। स्कूलों में वार्षिक परीक्षा शुरू होनी है। 25 मार्च को परिणाम जारी करना है। विभाग इस बार एक अप्रैल से नया सत्र प्रारंभ कर रहा है। ऐसे में यह सभी काम प्रभावित होने के आसार हैं। हम यह मुद्दा शिक्षा विभाग की शिक्षक संगठनों के साथ होने वाली बैठक में उठाएंगे। राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विपिन प्रकाश शर्मा का कहना है कि शिक्षकों की ड्यूटी लगने से कई स्कूल ऐसे होंगे जहां परीक्षा के लिए पर्याप्त शिक्षक ही नहीं बचेंगे। विभाग को इस काम को गर्मी की छुट्टियों में कराना चाहिए। यह मुद्दा शिक्षा सचिव के समक्ष रखा जाएगा और परेशानी से अवगत कराएंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'बालिका संस्कार, सुरक्षा और स्वास्थ्य' अभियान की शुरुआत, पोस्टर विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

समाधि स्थल व सूचना केंद्र में आयोजित कार्यक्रम, महिला सशक्तिकरण और बेटियों के अधिकारों पर दिया गया जोर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में परमहंस पंडित गणेश नारायण महाराज के समाधि स्थल तथा सूचना केंद्र में पोस्टर विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से 'बालिका संस्कार, सुरक्षा और स्वास्थ्य' विषय पर जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों और संस्थाओं से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, राजस्थान यूथ आइकॉन व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एंबेसेडर पूजा शर्मा, सुजाता बगड़, सोना चेतीवाल, चेतना शर्मा, अदिति मीना, टीना चौरसिया, ठाकुराइन सा लालर, सुबोध बिजारणिया, कुलदीप चौधरी, पीरामल फाउंडेशन के विजेंद्र भाटिया व माया भांबू, कोच राकेश सैनी, डॉ. अक्षय कुमार गोदारा तथा सामाजिक कार्यकर्ता सुमन चौधरी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में बेटियों के सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाना रहा।

नीमराना में महिला अधिकारिता विभाग की कार्यशालाः महिलाओं को मिली सरकारी योजनाओं की जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। उपखंड के ग्राम माजरी मे महिला अधिकारिता विभाग की ओर से शुक्रवार को ब्लॉक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन माजरी अटल सेवा केंद्र में किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं तक सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी पहुंचाना और उन्हें इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। महिला अधिकारिता विभाग की पर्यवेक्षक मुनेश कुमारी यादव ने उपस्थित महिलाओं को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके सामाजिक- आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही है। मुनेश कुमारी यादव ने कार्यशाला में उड़ान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह अनुदान योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना और मुख्यमंत्री वर्क फॉर होम योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र नीमराना की कानूनी परामर्शदाता काजल ने भी महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, साइबर अपराध, लिंग आधारित हिंसा और अन्य समस्याओं से जुड़े मामलों में मिलने वाली कानूनी सहायता और शिकायत प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की सामाजिक परामर्शदाता सुषमा, मानबाई, दीपा, सोना, हंसा, अनीता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

यूपीएससी में बीकानेर की बेटी नमिता सोनी का चयन, परिवार में खुशी की लहर

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने दी फोन पर दी बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में बीकानेर की बेटी नमिता सोनी के चयन से परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। नमिता की इस उपलब्धि पर परिवारजनों और समाज के लोगों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। नमिता सोनी के चयन की खबर मिलते ही घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। इस अवसर पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने भी नमिता को फोन कर बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नमिता के पिता दामोदर सोनी और माता मंजू सोनी ने भावुक होते हुए बताया कि नमिता उनकी तीन बेटियों में सबसे छोटी है। उन्होंने कहा कि समाज में अक्सर तीन बेटियों को लेकर ताने सुनने पड़ते थे, लेकिन नमिता ने अपनी मेहनत और लगन से आज उन सभी लोगों को करारा जवाब दिया है। भाजपा नेता मनीष सोनी ने कहा कि नमिता की इस सफलता ने समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया है कि यदि बेटियों को शिक्षा और अवसर दिए जाएं तो वे भी किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और समाज का नाम रोशन कर रही हैं। नमिता की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र और समाज में गर्व और उत्साह का माहौल है। परिवारजनों और शुभचिंतकों ने नमिता को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्य स्तर पर होगा झुंझुनू जिला कलक्टर डॉ. अरूण गर्ग का सम्मान

महिलाओं को रोजगार के लिए ऋण उपलब्ध करवाने में राज्य में पहले स्थान पर रहा झुंझुनू जिला

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का राज्य स्तरीय समारोह इस बार हनुमानगढ़ में आयोजित किया जा रहा है। राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (सर्वाधिक संख्या में ऋण आवेदन एवं राशि स्वीकृत करने वाले जिले के रूप में) जिला कलक्टर डॉ. अरूण गर्ग को सम्मानित किया जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक विप्लव न्यौला ने बताया कि राज्य स्तरीय समारोह में जिला कलक्टर के अतिरिक्त (सर्वाधिक संख्या में ऋण आवेदन एवं राशि स्वीकृत करने वाले जिला स्तरीय एलडीएम श्रेणी में) गोपाल प्रसाद तथा सर्वाधिक राशि के ऋण स्वीकृत करने वाली ब्रांच की श्रेणी में पंजाब नेशनल बैंक के बैंक शाखा प्रबंधक विकास शिवराण को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वहीं जिला बेटी बचाओ बेटी पढ़ओ अभियान में दूसरे नम्बर पर रहा है।

22 साल बाद बीएसएफ जवान को मिली राहत

हाईकोर्ट ने बर्खास्तगी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति में बदला, कहा- अपराध के अनुपात में कठोर सजा दी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बीएसएफ जवान को राहत देते हुए उसके 22 साल पुराने बर्खास्तगी आदेश को अनिवार्य सेवानिवृत्ति में बदल दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की बेंच ने यह फैसला पवन प्रजापति और केंद्र सरकार द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिया। अदालत ने कहा- बीएसएफ जवान के अपराध के अनुपात में बर्खास्तगी जैसी कठोर सजा न्यायसंगत नहीं है। ऐसे में पेंशन के लिए आवश्यक न्यूनतम सेवा अवधि तक जवान की सेवा काल्पनिक (नोशनल) रेगुलर मानी जाए। लेकिन उसे उस अवधि का वेतन या भत्ते नहीं मिलेंगे।

लोक अदालत के नाम पर साइबर ठगी का नया जाल, एसपी सिद्धांत जैन की चेतावनी- फर्जी लिंक से रहें सावधान

एसपी ने कहा – 'आपकी सतर्कता ही आपकी सुरक्षा है', संदेश को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचाएं

पुलिस की अपील – किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, 1930 पर दें तत्काल सूचना

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा। जैसे-जैसे 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली लोक अदालत की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे साइबर अपराधी भी सक्रिय हो गए हैं। ये ठग लोक अदालत की आड़ में फर्जी लिंक भेजकर लोगों से उनकी संवेदनशील जानकारी चुराने की कोशिश कर रहे हैं। इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने आमजन से सतर्कता बरतने की अपील की है।एसपी सिद्धांत जैन के अनुसार, साइबर अपराधी ईमेल, एसएमएस और व्हाट्सएप जैसे माध्यमों से ऐसे लिंक भेज रहे हैं जो देखने में सरकारी प्रतीत होते हैं, लेकिन इनका उद्देश्य केवल एक है लोगों से उनकी बैंक डिटेल, पासवर्ड, ओटीपी और अन्य व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करना। उन्होंने कहा, 'इन फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही आपकी संवेदनशील जानकारी अपराधियों के पास पहुँच सकती है, जिससे आपका आर्थिक नुकसान हो सकता है।' पुलिस ने नागरिकों को सतर्क करते हुए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए हैं। पहला, किसी भी ईमेल, एसएमएस या व्हाट्सएप लिंक पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड, ओटीपी या बैंक विवरण साझा न करें। दूसरा, लोक अदालत से संबंधित जानकारी केवल सरकारी पोर्टल या अधिकृत वेबसाइट से ही प्राप्त करें। तीसरा, यदि कोई संदिग्ध लिंक या मैसेज प्राप्त हो, तो तुरंत निकटतम थाना या राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। और चौथा, किसी भी साइबर धोखाधड़ी के प्रयास की तत्काल रिपोर्ट करें, ताकि अन्य लोग भी सतर्क रह सकें। एसपी जैन ने नागरिकों से विशेष अपील की है कि वे स्वयं तो सतर्क रहें ही, साथ ही इस तरह की जानकारी अपने परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों के साथ भी साझा करें, ताकि कोई भी व्यक्ति इन फर्जी लिंक के जाल में न फंसे। उन्होंने कहा, 'साइबर अपराधी लोक अदालत जैसी संवेदनशील प्रक्रिया का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में केवल आपकी सतर्कता ही आपको सुरक्षित रख सकती है।' पुलिस का संदेश स्पष्ट है कोई भी लिंक क्लिक करने से पहले सोचें, उसे अच्छी तरह जांचें और पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद ही आगे बढ़ें। आज की डिजिटल दुनिया में एक गलत क्लिक भी आपको साइबर ठगी का शिकार बना सकता है। याद रखें सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार हैं अलसी के बीज

मधुमेह रोगियों के लिए ब्लड शुगर मेंटेन करना एक चुनौती हो सकता है। पर अलसी के बीज इसे कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकते हैं। तो बिना देर किए जान लीजिए इन्हें आहार में शामिल करने का सही तरीका। अलसी सुपरफूड है। इसमें मौजूद पोषक तत्व कई बीमारियों से बचाव करते हैं। यह मेटाबोलिज्म रेट को बढ़ाने में मदद करता है। इसके कारण ब्लड शुगर लेवल भी कंट्रोल होता है। इन दिनों ब्लड शुगर लेवल बढ़ने की समस्या काफी तेजी से बढ़ रही है।इसके कारण दूसरी शारीरिक समस्याएं भी हो जाती हैं। इसलिए ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए अलसी को रोजाना की डाइट में शामिल करना चाहिए। पर सवाल यह उठता है कि अलसी को डाइट में किस तरह जोड़ा जाए। आइये पहले जानते हैं अलसी के फायदों को।

कई रोगों से बचाव करती है अलसी–न्यूट्रीएंट जर्नल में शामिल शोध आलेख में अलसी के गुणों के बारे में विस्तार से बताया गया है। कनाडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता मिहिर पारिख, जी. मैडाफोर्ड और जे एलेजांद्रो ने अलसी के पोषक तत्वों पर अध्ययन किया। इसके अनुसार, अलसी ओमेगा-3 फैटी एसिड, अल्फा लिनोलेनिक एसिड, लिग्नान सेकोइसोलारिसिनॉल, डिग्लुकोसाइड और फाइबर समृद्ध स्रोत है। ये कम्पाउंड एंटी इन्फ्लेमेट्री, एंटी-ऑक्सीडेटिव और लिपिड मॉड्यूलेटिंग गुणों वाले होते हैं। इसके कारण मेटाबोलिज्म सक्रिय होते हैं। इसके बायोएक्टिव घटक रोगों से बचाव कर शरीर को स्वस्थ बनाते हैं।

लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स –यह विभिन्न प्रकार के हृदय रोगों, कैंसर, गैस्ट्रो-इन्टेस्टिनल और ब्रेन डेवलपमेंट और मेनोपॉज महिलाओं की हार्मोनल स्थिति में अलसी लाभ पहुंचाती है। अलसी के मुख्य बायोएक्टिव कंपाउंड में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड, लिग्नन्स और हाई फाइबर होते हैं। इनके कारण अलसी को लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला भोजन माना जाता है। इसलिए इसका सेवन करने से रक्त शर्करा के स्तर में वृद्धि नहीं होती है।

डायबिटीज के मरीज किन रूपों में कर सकते हैं अलसी का सेवन –शोधकर्ता बताते हैं कि अलसी को चार सामान्य रूपों में उपयोग किया जा सकता है। डायबिटीज के मरीज साबुत अलसी, पिसा हुआ अलसी, अलसी का तेल और आंशिक रूप से वसारहित अलसी से तैयार फूड को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। इन दिनों फ्लेक्स सीड्स मिल्क का चलन भी तेज़ी से बढ़ा है। बादाम दूध की तरह अलसी का दूध भी प्लांट बेस्ड फूड है।अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के जर्नल के अनुसार, टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों पर लगातार 1 महीने तक अलसी के प्रभाव का अध्ययन किया गया। यह पाया गया कि प्रति दिन 10 ग्राम अलसी के पाउडर का सेवन करने से फास्टिंग ब्लड शुगर में 19.7व की कमी आई।

कितनी मात्रा में करें सेवन–यदि डायबिटीज के मरीज प्रतिदिन 1 -2 टेबल स्पून अलसी या अलसी के तेल का सेवन करते हैं, तो यह इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करेगा। यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करेगा। साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर डायबिटीज और दिल की बीमारियों से भी बचाव करता है। अपने लिए उपयुक्त मात्रा लेने से पहले डॉक्टर से जरूर परामर्श करें।

कैसे शामिल करें अलसी को डाइट म1 बनाएं अलसी का सलाद 1-2 टेबल स्पून अलसी के बीज को रात भर पानी में भिगो दें। पानी छानकर बीजों को पत्ता गोभी, प्याज टमाटर, काली मिर्च, नमक से तैयार सलाद में अलसी को मिक्स कर खाएं।

2 रोटी में मिलाएं फ्लैक्ससीड्स

अलसी को बिना तेल के हल्का भून लें। इसे बारीक पीस लें। इसे गेंहूं, जौ, चना के आटे के साथ मिक्स कर पानी के साथ गूंद लें। चाहें तो इसमें एक टेबल स्पून दही एड कर लें। रोटियां नर्म बनेंगी। **3 बना सकती हैं अलसी का रायता**–अलसी को बिना तेल के हल्का भून लें। इसे बारीक पीस लें। काली मिर्च पाउडर, काला नमक और अलसी पाउडर मिक्स कर रायता बना लें।ये अलसी को अपनी डाइट में शामिल करने का सबसे टेस्टी तरीका है। साथ ही अलसी का रायता खाने से आपको कब्ज जैसी समस्याओं से भी छुटकारा मिलेगा।

4 इस तरह बनाएं अलसी का दूध –1-2 टेबल स्पून अलसी के बीज को रात भर पानी में भिगो दें। पानी छानकर अलसी का पेस्ट तैयार कर लें।इसमें फ़िल्टर्ड पानी एड कर अलसी के दूध का सेवन करें। इसमें मौजूद एएलए कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ने देगा।

हैवी मेटल टॉक्सिंस भी बन सकते हैं सिर दर्द, थकान और ब्रेन फॉग का कारण

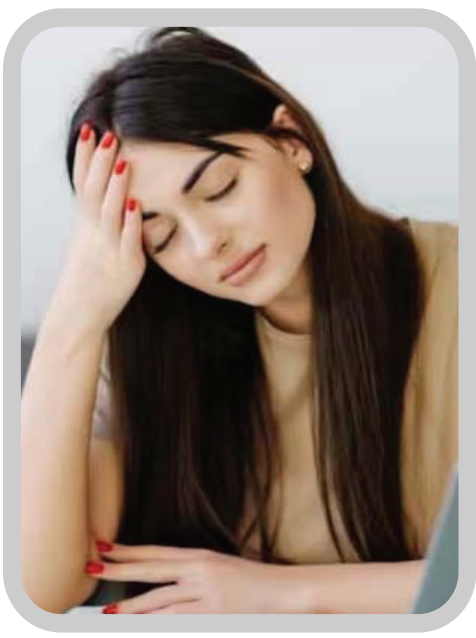

हैवी मेटल पॉइजनिंग में नजर आ सकते हैं ये लक्षण, लंबे समय तक इस स्थिति के बने रहने से सेहत संबंधित तमाम समस्याएं आपको अपना शिकार बना सकती हैं। जानें डिटॉक्सिफिकेशन के बारे में सब कुछ। हमारे शरीर को सही से कार्य करने के लिए कुछ प्रकार के हैवी मेटल्स जैसे की जिंक और आयरन की जरूरत होती है। पर बॉडी में इनकी अधिकता टॉक्सिक हो सकती है, जिसे हम हैवी मेटल टॉक्सिक कहते हैं।

हैवी मेटल पॉइजनिंग में नजर आ सकते हैं ये लक्षण, लंबे समय तक इस स्थिति के बने रहने से सेहत संबंधित तमाम समस्याएं आपको अपना शिकार बना सकती हैं। जानें डिटॉक्सिफिकेशन के बारे में सब कुछ। हमारे शरीर को सही से कार्य करने के लिए कुछ प्रकार के हैवी मेटल्स जैसे की जिंक और आयरन की जरूरत होती है। पर बॉडी में इनकी अधिकता टॉक्सिक हो सकती है, जिसे हम हैवी मेटल टॉक्सिक कहते हैं। वहीं ये बॉडी ऑर्गन जैसे की लिवर, ब्रेन, लंग्स आदि के फंक्शन को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा हैवी मेटल टॉक्सिक की वजह से ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और ब्लड कंपोजीशन के भी उतार चढ़ाव देखने को मिलता है।

लंबे समय तक इस स्थिति के बने रहने से सेहत संबंधित तमाम समस्याएं आपको अपना शिकार बना सकती हैं। यहां तक की मानसिक समस्याएं जैसे की अल्जाइमर और डिमेंशिया भी आपको परेशान कर सकती है। इसलिए बॉडी हैवी मेटल्स को समय समय पर डिटॉक्स करते रहना बेहद जरूरी है।हेल्थ शॉट्स ने इस विषय पर अधिक जानने के लिए न्यूट्रीशनिस्ट राशि चहल से बात की। न्यूट्रीशनिस्ट ने हैवी मेटल टॉक्सिंस के बारे में बताते हुए इसे डिटॉक्सिफाई करने के भी टिप्स दिए हैं। तो चलिए जानते हैं, इस बारे में विस्तार से।

पहले जानें क्या है हैवी मेटल–मेटल्स मिट्टी में प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं, क्योंकि वे जमीन की पपड़ी का हिस्सा हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, हैवी मेटल एक रासायनिक तत्व है, जिसका एक निश्चित ग्रेविटी पानी से कम से कम पांच गुना होता है। आयरन, जिंक और मैंगनीज जैसी कुछ मेटल्स आपके शरीर के समुचित कार्य के लिए आवश्यक हैं, क्योंकि वे आपके मेटाबॉलिज्म को रेगुलेट करने, रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने और आपके लीवर को कार्य करने में मदद करने जैसे विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदार है।

अल्युमीनियम– आमतौर पर एंटीपर्सपिरेंट्स और अन्य व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों में पाया जाने वाला एल्युमीनियम शरीर में टॉक्सिक पदार्थों के निर्माण में योगदान देता है।

आर्सेनिक– यह मेटल आमतौर पर ब्राउन राइस और सी फूड में पाई जाती है, वहीं अकार्बनिक और कार्बनिक दोनों प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं। अकार्बनिक रूप अधिक टॉक्सिक होता है।**लीड**– पुराने घरों में पेंट और कांच लीड के कुछ प्रमुख स्रोत हैं। यह अस्थि शोरबा और अनफ़िल्टर्ड पानी में भी पाया जाता है। दांतों में पुरानी फिलिंग में इस्तेमाल होने पर ये मेटल एक चिंता का विषय था।

थैलियम–पत्तागोभी और केल जैसी क्रूस वाली सब्जियां मिट्टी से थैलियम जमा कर सकती हैं।ये भारी मेटल्स कुछ पर्यावरणीय कारकों और भोजन के माध्यम से आपके शरीर में प्रवेश कर सकती हैं।

इसके कुछ स्रोतों में शामिल हैं–

- फॉसिल फ्यूल एमिशन
- इंडस्ट्रियल वेस्ट
- माइनिंग
- क्रॉप्स में इस्तेमाल होने वाले पेस्टिसाइड
- स्मोकिंग
- सॉयल एरोजन
- वेस्ट वॉटर

हैवी मेटल की शुरुआती स्थिति में बॉडी में नजर आने वाले लक्षण

- सिर दर्द
- पेट दर्द और क्रैंप्स
- जी मचलना
- उल्टी आना
- डायरिया
- थकान महसूस होना
- सांस लेने में परेशानी होना

स्थिति गंभीर होने पर नजर आते हैं ये लक्षण

- जलन और खुजली महसूस होना
- इन्फेक्शन की समस्या
- ब्रेन फॉग
- देखने में परेशानी होना
- इनसोमनिया
- पैरालैसिस

हैवी मेटल डिटॉक्सिफिकेशन क्या है?

आपके शरीर में निश्चित मात्रा में हैवी मेटल्स पाए जाते हैं। ये टॉक्सिक मटेरियल वातावरण में पाए जाते हैं, जिन्हें आप अवशोषित करती हैं और सांस के माध्यम से लेती हैं। कुछ हैवी मेटल आप भोजन के माध्यम से भी लेती हैं। यह समझने के लिए कि क्या आप हैवी मेटल टॉक्सीसिटी से परेशान हैं, आपको डिटॉक्सिफिकेशन से गुजरना पड़ सकता है। डिटॉक्स का प्राथमिक लक्ष्य आपके नर्वस सिस्टम और ब्रेन से हैवी मेटल्स को निकालना है।

कैसे की जाती है हैवी मेटल टॉक्सिंस की जांच

डॉक्टर द्वारा आपके बॉडी में मौजूद टॉक्सिंस के स्तर की जांच करने के लिए यूरिन, सीरम, रेड ब्लड सेल्स, प्लाज्मा या संपूर्ण ब्लड को एग्जामिन किया जाता है। 30 से अधिक विभिन्न तत्वों के लिए अपने नमूने की जांच करवाने पर आश्चर्यचकित न हों।

डिटॉक्सिफिकेशन का टेस्ट करने के लिए अलग अलग प्रोसेस का उपयोग किया जाता है, क्योंकि प्रत्येक टॉक्सिन अलग-अलग तरीके से उत्सर्जित होते हैं। एक बार हैवी मेटल की पहचान हो जाने पर, आपको केलेशन थेरेपी से गुजरना पड़ सकता है। यह प्रक्रिया, जिसे आप घर पर भी कर सकती हैं, टॉक्सिंस को मॉलिक्यूल से बांधकर, उन्हें घुलने देकर और यूरिन में उत्सर्जित करके निकालने के लिए चेलेटिंग एजेंटों का उपयोग करना शामिल है।

जानें हैवी मेटल डिटॉक्स डाइट के बारे में सब कुछ

विटामिन और खनिज युक्त खाद्य पदार्थ

कुछ ऐसे खास खाद्य पदार्थ हैं, जो बॉडी से हैवी मेटल को डिटॉक्सिफाई करने में आपकी मदद कर सकते हैं। ये खाद्य पदार्थ मेटल के साथ जुड़ जाते हैं और डाइजेस्टिव प्रोसेस के दौरान इन्हें बॉडी से रिमूव कर देते हैं। विटामिन और मिनरल से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन हैवी मेटल से होने वाले साइड इफेक्ट को कम कर देता है। हैवी मेटल डिटॉक्स के लिए आप लहसुन, ब्लूबेरी, नींबू पानी, बार्ली ग्रास जूस, ग्रीन टी टमाटर फरूट बायोटिक अधिक जैसे खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल कर सकती हैं।

विटामिन सी है महत्वपूर्ण

कुछ पोषक तत्व जैसे कि विटामिन बी, विटामिन बी6 और विटामिन सी की कमी से बॉडी के लिए हैवी मेटल को टॉलरेट करना मुश्किल हो जाता है और शरीर में टाक्सीसिटी बढ़ाना शुरू हो जाती है। उदाहरण के लिए विटामिन सी आयरन के स्तर को नियंत्रित रहने में मदद करती है। ठीक इसी प्रकार अन्य खाद्य पदार्थों में मौजूद पोषक तत्व अलग-अलग प्रकार के हैवी मेटल्स को संतुलित रखते हैं।

इन खाद्य पदार्थों से रहना होगा दूर

एक प्रभावी हैवी मेटल डिटॉक्स के लिए हेल्दी फल और सब्जियों के सेवन के साथ ही कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं, जिनके सेवन से परहेज रखना जरूरी हो जाता है, जैसे कि प्रोसैस्ड फूड्स और एक्सेस फैट। इन खाद्य पदार्थों का न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी कम होता है और ये आपके डिटॉक्स प्रोसेस को धीमा कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि फैट बॉडी में मौजूद टॉक्सिक पदार्थ को अवशोषित कर लेता है, और इन्हें रिमूव करना बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में चावल खासकर ब्राउन राइस, कुछ प्रकार की मछली, शराब और नॉन ऑर्गेनिक फूड्स से पूरी तरह से परहेज रखने का प्रयास करें।

क्या आपने चखा है बीटरूट रसम का स्वाद?

बीटरूट का जूस, सलाद तो आपने बहुत बार खाया होगा, लेकिन आज हम हेल्थ शॉट्स पर आपके लिए लाए हैं चुकंदर की एकदम अलहदा रेसिपी।बीट रूट हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है इसमें कई तरह के पोषण और विटामिन होते है जो हमारे शरीर के लिए लाभदायक होते है, लेकिन क्या आप भी सिर्फ बीटरूट का सालाद और जूस पीकर थक चुकें है और कुछ अलग खाना चाहते है तो आज हम आपके लिए लेकर आए है बीटरूट की बहुत स्वादिष्ट रेसिपी बीटरूट रायता और बीटरूट रसम जिसे खाकर आपको बहुत मजा आने वाला है। इससे आपको एक नया टेस्ट भी मिलेगा और आपको हेल्दी भी रखेगा।पब मेड सेंट्रल के अनुसार चुकंदर में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन , फाइबर , कैल्शियम , आयरन , मैग्नीशियम , फॉस्फोरस , पोटेशियम , सोडियम , जिंक , विटामिन सी , राइबोफ्लेविन, फोलेट और नाएसिन पाया जाता है। इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज सेल डैमेज को नियंत्रित रखने के साथ ही हार्ट से जुड़ी समस्याओं को भी कम करती है।

पाचन क्रिया को संतुलित रखे–चुकंदर फाइबर का एक अच्छा स्रोत होता है। फाइबर आंतो के लिए फायदेमंद होता है और यह पाचन क्रिया को भी संतुलित रखता है। पब मेड सेंट्रल द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार यह डाइजेस्टिव हेल्थ को बनाए रखने के साथ ही पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, अपच के लिए फायदेमंद होता है।

इम्युनिटी बढ़ाने में है मददगार–फाइबर से भरपूर चुकंदर आंतो में गुड बैक्टीरिया को जन्म देता है। डाइजेस्टिव सिस्टम में हेल्दी बैक्टीरिया का होना इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ ही कई अन्य बीमारियों से लड़ने में भी मदद करता है। वहीं बीटरूट में मौजूद सभी पोषक तत्व इम्यूनिटी बूस्ट करने में फायदेमंद होते हैंनेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन के अनुसार चुकंदर में मौजूद फोलेट एक प्रकार का विटामिन है, जो बॉडी ग्रोथ, डेवलपमेंट और हार्ट हेल्थ को संतुलित रखने में मदद करता है। वही इसमें मैंगनीज की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। यह हड्डियों को मजबूत रखने के साथ ब्रेन फंक्शन को संतुलित रखता है।

ऐसे बनाएं चुकंदर की रसम–चुकंदर का छिलका उतारकर मोटा-मोटा काट लें। इन्हें 10 मिनट तक थोड़ा पानी डालकर पकाएं। ठंडा होने दें।अब 2 टेबल-स्पून नारियल मिलाकर स्मूद प्यूरी बना लें।जरूरत हो तो ही पानी डालें और अलग रख दें।एक बड़ी कढ़ाई में, एक छोटा चम्मच तेल गरम करें।

सरसों, जीरा, उड़द दाल और हींग डालें।कुटी हुई लहसुन की कलियां और करी पत्ते डालें। लहसुन को हल्का सुनहरा होने तक भूनें।बारीक कटा प्याज और कटी हुई हरी मिर्च डालें। थेड़ी देर तक भूनें।अब 1 कप इमली का अर्क, नमक और हल्दी पाउडर डालें, अच्छी तरह मिलाएं। 5 मिनट तक या इमली की कच्ची महक जाने तक उबालें। तैयार चुकंदर की प्यूरी डालें। रसम को अच्छी तरह पकाने के लिए थोड़ा पानी भी डालें। और 5 मिनट के लिए उबाल लें। मिर्च पाउडर और कटे हुए पुदीने के पत्ते डालें और उबालें । अंत में कुछ कटी हुई धनिया पत्ती डालें और मसाला चैक करें।गरमा गरम चुकंदर रसम बनकर तैयार है।

बीटरूट का जूस, सलाद तो आपने बहुत बार खाया होगा, लेकिन आज हम हेल्थ शॉट्स पर आपके लिए लाए हैं चुकंदर की एकदम अलहदा रेसिपी।बीट रूट हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है इसमें कई तरह के पोषण और विटामिन होते है

रोहित वेमुला अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिडावा।

सामाजिक न्याय अधिकार मंच चिडावा, झुंझुनूं तथा उपखंड क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से राष्ट्रपति के नाम उप जिला कलेक्टर चिडावा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ उच्च शिक्षण संस्थानों में हो रहे भेदभाव को रोकने तथा 'रोहित वेमुला अधिनियम-2026' लागू करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा रहा है और यह वर्ग आज भी राष्ट्र की मुख्यधारा से पूरी तरह नहीं जुड़ पाया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में समता और समावेशन को शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला माना गया है, वहीं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17 और 335 में समानता, भेदभाव निषेध और आरक्षण से संबंधित स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। इसके बावजूद देश के कई उच्च शिक्षण संस्थानों में इन वर्गों के छात्रों के साथ भेदभाव की घटनाएं सामने आती रहती हैं। ज्ञापन में कहा गया कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य

विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल, इंजीनियरिंग, तकनीकी, कृषि एवं अन्य विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ धर्म, जाति, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव किया जाता है। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों का उल्लेख करते हुए इसे संस्थागत भेदभाव बताया गया।

सामाजिक न्याय अधिकार मंच ने मांग की कि विश्वविद्यालयों में समतामूलक वातावरण सुनिश्चित करने और छात्रों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए 'रोहित वेमुला अधिनियम-2026' बनाया जाए। साथ ही यूजीसी विनियम-2026 को प्रभावी रूप से लागू करते हुए सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में 24 घंटे कार्य करने वाली समता हेल्पलाइन स्थापित की जाए तथा राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी समिति का गठन किया जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लगभग 90 प्रतिशत पद रिक्त पड़े हैं। चयन प्रक्रियाओं के दौरान पूर्वाग्रह के चलते कई बार उम्मीदवारों को 'नॉट फाउंड सूटेबल (NFS) बताकर या कम अंक देकर बाहर कर दिया जाता है, जिसके कारण आरक्षित पद खाली रह जाते हैं और बाद में सामान्य वर्ग से भर दिए जाते हैं। मंच ने मांग की कि राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के आधार पर विशेष अभियान चलाकर इन पदों को भरा जाए।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में बलवीर सिंह काला, एडवोकेट विजय गुरावा (अध्यक्ष, अभिभाषक संघ), एडवोकेट सुरेश डांडिया, एडवोकेट अरविंद भगत, एडवोकेट वेदप्रकाश, बाबूलाल पार्षद, रोहिताश महरानिया, अनिल महरानिया, महेश महरानिया, जयमल सिरोहा, बुद्धराम महरानिया, सीताराम पंवार, सत्यनारायण धोलपुरिया, रघुवीर सिंह, हनुमान सिंह दानोदिया, संत कुमार, हरिराम महरिया, सज्जन महरिया, शिवप्रसाद महरिया, विनोद महरानिया, अनिल नारनोलिया सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सिंघानिया विश्वविद्यालय के दो छात्र कुआला लम्पुर में एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

सिंघानिया विश्वविद्यालय के दो छात्र अरुण और निर्मला को 20 से 25 अप्रैल, 2026 तक मलेशिया के कुआला लम्पुर में आयोजित होने वाली दूसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। ये दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों छात्र विश्वविद्यालय में बीए की पढ़ाई कर रहे हैं। पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (पीटीएफआई) के अध्यक्ष श्री अल्बर्ट कुमार ने बताया कि 3 से 5 फरवरी, 2026 को सिंघानिया विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन के आधार पर पीटीएफआई चयन समिति द्वारा इन दोनों खिलाड़ियों का चयन किया गया है। सिंघानिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार ने कहा, 'हमें यह जानकर खुशी हुई कि हमारे दो छात्र अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह हमारे दिव्यांग छात्रों के समर्थन के उद्देश्य के लिए गर्व और संतुष्टि का विषय है। हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कई प्रतिभाओं को देखना चाहते हैं।'

8 मार्च को सूचना केन्द्र में मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का जिला स्तरीय समारोह

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 24 लोगों का होगा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का जिला स्तरीय समारोह 8 मार्च (रविवार) को सूचना केंद्र सभागार में आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह में जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में झुंझुनू एसडीएम कौशल्या बिश्नोई, नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी मधु यादव भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला ने बताया कि जिला स्तरीय समारोह में महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य करने वाले व्यक्तिगत एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना के तहत 24 लोगो का सम्मान किया जाएगा।

इनका होगा सम्मानः

मंडावा तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर, सहायक प्रबंधक पूजा, बीसीएमओ डॉ. रेखा, पीएनबी के मुख्य शाखा प्रबंधक दारा सिंह, आरएसआरडीसी की सहायक अभियंता ज्योति महरिया, शहीद फारूख अहमद राउमावि भीमसर की व. अध्यापक सविता गोदारा, बीपीओ कंचन चैधरी, अगवाना खुर्द की पंचायत शिक्षिका सुमन मान, इस्लामपुर की ग्राम साथिन सबीना, घोडीवारा खुर्द की कार्यकर्ता प्रीति कुमारी, भूदा का बास की सहायिका गुड्डी देवी, पिलानी की आशा सहयोगिनी लक्ष्मी शर्मा, एम.डी. टैंट हाउस, हंसासर की ग्राम साथिन सम्पत, बडागांव की ग्राम साथिन सुनिता, बडाउ की ग्राम साथिन कविता गुर्जर, बुहाना की ग्राम साथिन सुनिता देवी, हेतमसर की ग्राम साथिन किरणा बर्वड, मोई भारू की ग्राम साथिन कश्मीर, उरीका की ग्राम साथिन मंजू, सैनी नगर की ग्राम साथिन संजु सैनी, काजी की ग्राम साथिन रचना कुमारी, ओजटू की ग्राम साथिन मंजू देवी, प्रतापपुरा की ग्राम साथिन मंजू का सम्मान किया जाएगा।

टोहाना में नन्हें सितारों को मिलेगा मंच होली हार्ट मे किड्ज टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । होली हार्ट कॉन्वेंट स्कूल में किड्ज़ टैलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्कूल कोऑर्डिनेटर पायल मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 3 से 5 वर्ष तक के बच्चे फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। प्रथम पुरस्कार 2100 रु , द्वितीय व तृतीय 1100 रु पुरस्कार के तौर पर दिए जाएंगे। पायल मेहता ने बताया कि प्रतियोगिता का समय सुबह 10 बजे से 12 बजे तक स्कूल प्रांगण में रहेगा। उन्होनें बताया कि इस मौके पर महिला दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों की माताओं के मध्य फनी प्रतियोगिता भी होगी जिसमें सभी प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार भी दिए जाएंगे।

नवीन गुर्जर बने अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष, काजड़ा के युवा समाजसेवी को मिली कमान

भीम प्रज्ञा न्यूज।षझुंझुनूं।

अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा राजस्थान इकाई ने संगठन विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए झुंझुनूं जिले की जिम्मेदारी युवा कंधों पर सौंपी है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, सूरजगढ़ (पिलानी) क्षेत्र के काजड़ा निवासी युवा समाजसेवी नवीन गुर्जर को झुंझुनूं का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सुनील खटाणा के पुत्र नवीन गुर्जर की यह नियुक्ति आगामी दो वर्ष की अवधि के लिए की गई है। प्रदेश नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि नवीन अपनी सक्रियता और अनुभव के बल पर जिले में संगठन की जड़ों को मजबूत

करेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महासभा के सिद्धांतों के अनुरूप समाज को एकजुट करने और संगठन के नीति-निर्देशों का पालन करने के लिए उत्तरदायी होंगे।

नवीन गुर्जर को मुख्य रूप से जिले में महासभा के विस्तार और सदस्यता अभियान को गति देने का दायित्व सौंपा गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में समाज के युवा बड़ी संख्या में संगठन से जुड़ेंगे, जिससे सामाजिक एकता और जनहित के कार्यों को बल मिलेगा। काजड़ा निवासी नवीन गुर्जर के जिलाध्यक्ष बनने की सूचना मिलते ही समाज के लोगों और समर्थकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। समर्थकों का मानना है कि एक युवा और जमीन से जुड़े व्यक्ति को कमान मिलने से जिले में गुर्जर समाज के मुद्दों को प्रमुखता मिलेगी और संगठन को एक नई ऊर्जा प्राप्त होगी। नियुक्ति के बाद से ही नवीन गुर्जर को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

अंकित भगेरिया बने अखिल भारतीय युवा वैश्य महासम्मेलन के चिड़ावा नगर अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अखिल भारतीय युवा वैश्य महासम्मेलन ने संगठन विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए चिड़ावा नगर इकाई की कमान युवा और सक्रिय पार्षद अंकित भगेरिया को सौंपी है। अंकित भगेरिया वर्तमान में नगरपालिका पार्षद के रूप में भी जनसेवा कर रहे हैं। संगठन के जिला अध्यक्ष अंकुर मोदी ने आधिकारिक आदेश जारी करते हुए बताया कि यह नियुक्ति अखिल भारतीय युवा वैश्य महासम्मेलन राजस्थान के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव मुकेश विजयवर्गीय तथा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल के दिशा-निर्देशों और आदेशानुसार की गई है। जिला अध्यक्ष अंकुर मोदी ने विश्वास जताया कि अंकित भगेरिया की नियुक्ति से चिड़ावा नगर में वैश्य समाज के युवाओं को एकजुट करने और संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने में नई ऊर्जा मिलेगी। भगेरिया के पार्षद होने के नाते उनके पास सार्वजनिक कार्यों का अनुभव है, जिसका लाभ अब संगठन को भी प्राप्त होगा। अंकित भगेरिया को नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर वैश्य समाज के प्रबुद्धजनों, युवा साथियों और समर्थकों ने हर्ष व्यक्त किया है। नियुक्ति के बाद भगेरिया ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे समाज हित और संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

ओबीसी की जाति आधारित जनगणना कराने एवं यूजीसी बिल को बहाल हेतु विभिन्न संगठनों ने उपखंड अधिकारी को सोपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

भारत मुक्ति मोर्चा व राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं सामाजिक न्याय अधिकार मंच, डॉ.अंबेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी संगठन (अजाक) सहित डॉ.अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी सूरजगढ़ द्वारा उपखंड अधिकारी 'दीपक चंदन' को राष्ट्रपति प्रधानमंत्री,अध्यक्ष यूजीसी एवं गृहमंत्री भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया जिसमें जाति आधारित जनगणना और ओबीसी के जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर भाजपा द्वारा ओबीसी के साथ की जा रही धोखाधड़ी के खिलाफ एससी, एसटी, ओबीसी के समर्थन में सख्त यूजीसी बिल लागू करने एवं 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट से मुक्त करने के समर्थन में हो रहे राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के संदर्भ में एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 14 जनवरी 2026 को अधिसूचित उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता का बढ़ावा देने वाले विनियम 2026 के समर्थन में कई संगठनों ने ज्ञापन दिया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला संयोजक श्यामलाल सैनी ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा कैबिनेट में ओबीसी की जाति आधारित जनगणना का फैसला करने के बावजूद भी जनगणना नोटिफिकेशन में ओबीसी की जातियों का कॉलम घोषित करने के बाद भी ओबीसी की जाति के कालम को ना दिया जाना ओबीसी के साथ धोखेबाजी है इसलिए इस साल से होने वाले राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी का एवं जाति का कानून बढ़ाया जाए तथा पहले कमजोर यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन बनाना और फिर सुप्रीम कोर्ट में कमजोर पैरवी करके उस पर भी रोक लगवाना, एससी,एसटी,ओबीसी के साथ धोखेबाजी है इसलिए एससी,एसटी, ओबीसी के समर्थ में सख्त यूजीसी कानून बनाया जाए और 2011 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट से मुक्त किया जाए। यूजीसी के उक्त विनियमों का उद्देश्य सरल और प्रभावी है उच्च शिक्षा में समानता को बढ़ावा देना और भेदभाव को रोकना कई वर्षों से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को कक्षा छात्रावास पुस्तकालय और अन्य संरक्षण स्थान पर अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है जिससे उनके भविष्य में बाधा उत्पन्न होती है। भारत मुक्ति मोर्चा के जिला संयोजक मोतीलाल डिग्रवाल ने बताया कि चार चरणबद्ध आंदोलन के तहत सात सो पच्चीस जिलों में ज्ञापन दिया गया है। 13 मार्च को सभी जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन एवं 23 मार्च को रैली प्रदर्शन तथा चौथे चरण के तहत 23 अप्रैल को भारत बंद किया जाएगा। इस समस्या को हल करने में और हर उच्च शिक्षा संस्थान के लिए स्पष्ट करते हैं ताकि सभी छात्रों शिक्षकों कर्मचारियों के साथ सम्मान गरिमा और समानता का व्यवहार हो। ज्ञापन देने वालों में शिक्षाविद मोतीलाल डिग्रवाल,पूर्व तहसीलदार महावीर प्रसाद बाकोलिया, छोटेलाल गजराज, सज्जन कटारिया, श्यामलाल सैनी, प्रीतम सिंह बिजोली, पूर्व मैनेजर राधेश्याम चिरानिया, जनाब सलीम खान, संजय ठोड़ी, कृष्ण गजराज, एडवोकेट रतनलाल, एडवोकेट अजय जडेजा, सुरेंद्र मेहरा, ईश्वर मैरोडिया, ओमप्रकाश सेवदा सहित कई लोग शामिल रहे।

रैफल्स लॉ स्कूल में ऑनलाइन गेमिंग एक्ट पर कार्यशाला का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना के रैफल्स लॉ स्कूल द्वारा 'प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ़ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य नव-प्रवर्तित इस विधेयक के उद्देश्यों एवं इसके विधिक प्रभावों पर विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम की शोभा न्यायमूर्ति डॉ. मीना वी. गोम्बर की गरिमामयी उपस्थिति से बढ़ी। उन्होंने मनी गेमिंग के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डालते हुए समय के साथ इसके विकासक्रम की विस्तृत व्याख्या की। रैफल्स विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र सिंह सांगवान ने इस विधेयक को पारित करने के लिए संसद की सराहना की और कहा कि ऐसा कानून राष्ट्र के व्यापक हित तथा एक कुशल और विनियमित डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। रैफल्स लॉ स्कूल के डीन डॉ. प्रणय कुमार आदित्य ने 'प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ़ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025' का समग्र परिचय प्रस्तुत किया तथा इसके उद्देश्यों, प्रमुख प्रावधानों और समकालीन प्रासंगिकता को स्पष्ट किया। सहायक प्राध्यापक श्री आदित्य प्रताप सिंह ने अधिनियम के आपराधिक एवं संवैधानिक आयामों पर चर्चा करते हुए इसके महत्वपूर्ण विधिक दृष्टिकोणों तथा इसके क्रियान्वयन में आने वाली संभावित चुनौतियों को रेखांकित किया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ़ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 के महत्व तथा इसके भविष्यगत प्रभावों पर अपने विचार साझा किए।

बाबा गरीबनाथ महाराज का लख्खी मेला 8 मार्च को, भव्य सत्संग का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर,

रमेशचंद्र । सोडावास के समीप गांव जीवनसिंहपुरा (शामदा) स्थित प्राचीन गरीब नाथ मंदिर में 8 मार्च को बाबा गरीबनाथ महाराज का प्रसिद्ध लख्खी मेला आयोजित होगा। मेले को लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। आयोजकों के अनुसार 7 मार्च की रात्रि में भव्य सत्संग का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दूर-दराज से संत-महात्मा एवं भक्तजन शामिल होंगे। मेले में आसपास के गांवों के अलावा दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु हाथों में ध्वज लेकर बाबा के दरबार में पहुंचते हैं तथा मन्नतें मांगते हैं। करीब 300 वर्ष से अधिक प्राचीन यह मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है और लगभग 100 बीघा कृषि भूमि के साथ अपनी ऐतिहासिक विरासत को दर्शाता है। आयोजकों ने बताया कि मेले की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मेले को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मुंडावर तहसीलदार विवेक कटारिया ने बताया प्रशासन की देखरेख में ही मेले का आयोजन होगा। गरीबनाथ महाराज की गद्दी से जुड़ी गहरी आस्था के कारण प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं मेले में शामिल होने पहुंचते हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से शांति एवं अनुशासन बनाए रखने की अपील की।

रोडवाल गांव में मनाया गया 'बेटी जन्मोत्सव', केक कटवाकर नवजात बेटी का स्वागत, दिया जागरूकता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना ब्लॉक के रोडवाल गांव में शुक्रवार को उपनिदेशक महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत 'बेटी जन्मोत्सव' मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना और समाज में जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम के दौरान नवजात बेटी के हाथों से केक कटवाकर उसका स्वागत किया गया तथा परिवार को बेबी किट प्रदान की गई। इस अवसर पर साथीन दीपा देवी ने उपस्थित ग्रामीणों को बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बेटियों के जन्म के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज की शान हैं और उनके जन्म को उत्सव की तरह मनाना चाहिए। इस अवसर पर गांव के लोगों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया और बेटियों के सम्मान व उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने और उन्हें शिक्षा व समान अवसर देने के लिए प्रेरित किया गया।

मंदिर की जमीन पर कचरा डालने का आरोप, पुजारी की गुहार पर एसडीएम सख्त

महवा रोड हाईवे किनारे डंपिंग से हादसे की आशंका, जांच कर कार्रवाई के दिये निर्देश।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । महवा रोड स्थित हाईवे किनारे मंदिर से जुड़ी भूमि पर नगर पालिका प्रशासन के द्वारा शहर का कचरा डाले जाने को लेकर मंडावर में विवाद खड़ा हो गया है। मामले में शिकायत मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। उपखंड अधिकारी एवं उप जिला मजिस्ट्रेट ने नगर पालिका मंडावर के अधिशासी अधिकारी को पत्र भेजकर शिकायत की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार मंडावर निवासी पुजारी ताराचंद शर्मा ने ठाकुर राधाबल्लभजी मंदिर की ओर से उपखंड अधिकारी को शिकायत देकर आरोप लगाया कि महवा रोड हाईवे पर स्थित मंदिर की भूमि पर नगर पालिका प्रशासन बिना किसी अधिकार के शहर का कचरा डलवा रहा है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि संबंधित भूमि अलवर-करौली मार्ग स्थित महवा रोड हाईवे के किनारे आती है। आरोप है कि यहां लगातार कचरा डाले जाने से भूमि को नुकसान पहुंच रहा है और हाईवे किनारे कचरे के ढेर से किसी बड़े सड़क हादसे की भी आशंका बनी हुई है। शिकायतकर्ता पुजारी ने प्रशासन को अवगत कराया कि इस संबंध में नगर पालिका को कई बार शिकायत दी जा चुकी है। कुछ समय पहले आंशिक रूप से कचरा हटाया गया, लेकिन बाद में उसी स्थान पर दोबारा कचरा डालना शुरू कर दिया गया।

'बाल विवाह मुक्त भारत' रथ यात्रा का शुभारम्भ, पोस्टर का किया विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के तहत बाल विवाह मुक्त रथ यात्रा का शुभारम्भ व पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को हुआ।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) श्री रमेश देव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री चक्रवर्ती सिंह, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष एड. जुगल किशोर व्यास, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य अरविंद सेंगर, राजकीय संप्रेषण गृह अधीक्षक रामनारायण बिश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से इस रथ रवाना किया। राजस्थान महिला कल्याण मंडल, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के जिला समन्वयक अमित कुमार ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह मुक्त भारत रथ यात्रा आगामी दिनों में जिले के अलग-अलग ब्लॉक क्षेत्रों में जाएगा। रथ के माध्यम से ऑडियो संदेश, पोस्टर, पंपलेट जनसंवाद एवं शपथ कार्यक्रम के द्वारा आम जन को जागरूक किया जाएगा व आमजन को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के की शादी नहीं करवाने व बाल विवाह के दुष्परिणाम जी बारे में जानकारी दी जाएगी व शपथ दिलाकर जागरूक किया जाएगा। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास ने बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई व शपथ दिलवाई। बाल विवाह मुक्ति रथ खारा व बीछवाल गाँव, अंत्योदय नगर, नयाशहर आदि क्षेत्रों मे पहुंचा व ग्रामीणों द्वारा रथ का स्वागत किया गया। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति से जंमजय व्यास, हाजरा बानो, सुनीता, किशोर न्याय बोर्ड से किरण गौड़, कमल, चाइल्ड हेल्पलाइन से प्रवेश व राजस्थान महिला कल्याण मंडल से पिंकी जनागल, बाबूलाल, न्याय मित्र अनिल तिवारी, गुरसेवक, एडवोकेट सुनील भाटी मौजूद रहे।

नीमराना के कायसा गांव के हिमांशु सिंह निभोरिया ने UPSC में किया कमाल, 263वीं रैंक हासिल कर बढ़ाया जिले का मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र के कायसा गांव के हिमांशु सिंह निभोरिया ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यूपीएससी द्वारा शुक्रवार को घोषित अंतिम परिणाम में हिमांशु सिंह निभोरिया ने अखिल भारतीय स्तर पर 263वीं रैंक प्राप्त की है। हिमांशु सिंह निभोरिया, जलेसिंह मास्टर के पुत्र हैं। जैसे ही उनके चयन और रैंक की सूचना सामने आई, पैतृक गांव कायसा सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। परिवारजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। हिमांशु की इस सफलता को उनकी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प का परिणाम माना जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने उन्हें बधाइयां देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्षेत्र के युवाओं के लिए हिमांशु सिंह की यह उपलब्धि एक बड़ी प्रेरणा बनकर सामने आई है, जो प्रशासनिक सेवाओं में जाने का सपना देख रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनों ने भी हिमांशु की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया है। उनका कहना है कि हिमांशु की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं को आगे बढ़ने और बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

खारा खेड़ी दलित परिवार मामले में एसपी का त्वरित एक्शन, डीएसपी के नेतृत्व में टीम ने की जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

खारा खेड़ी में अनुसूचित वर्ग के एक परिवार से जुड़े मामले को फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन (आईपीएस) ने गंभीरता से लेते हुए तुरंत संज्ञान लिया और मामले में त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए। एसपी के आदेश पर उप पुलिस अधीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित कर मौके पर भेजी गई, ताकि संबंधित व्यक्ति से संपर्क कर पूरे मामले की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके।

निर्देशानुसार बड़ोपल पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रामफल पुलिस टीम के साथ तुरंत बरवाला पहुंचे और सुखदेव सिंह से उनके भाई रोशन के घर जाकर मुलाकात की। पुलिस अधिकारियों ने सुखदेव सिंह से विस्तारपूर्वक बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली और उनकी सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का आकलन किया। पुलिस टीम ने उन्हें आश्वस्त किया कि फतेहाबाद पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार के खतरे की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यदि सुखदेव सिंह को खाराखेड़ी के सरपंच संजय कुमार या उनके परिवार के किसी सदस्य से किसी प्रकार का खतरा महसूस होता है तो पुलिस तुरंत आवश्यक कदम उठाएगी। पुलिस ने यह भी कहा कि यदि वे चाहें तो अपने निवास स्थान खाराखेड़ी में भी रह सकते हैं, जहां उनकी सुरक्षा के लिए पीसीआर गश्त, नियमित निगरानी और अन्य सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। वार्तालाप के दौरान सुखदेव सिंह ने पुलिस को बताया कि वे अपनी इच्छा से अपने भाई रोशन के पास बरवाला आए हैं और फिलहाल वहीं रहकर परिवार का पालन-पोषण करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस और अपने परिवार पर पूरा भरोसा है और यदि भविष्य में कोई परेशानी होती है तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करेंगे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार कुछ माह पूर्व सुखदेव सिंह की शिकायत पर थाना सदर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 325 दिनांक 28 अगस्त 2025 दर्ज किया गया था। इसमें शौरभ निवासी धांगड़, अजीत, अमर सिंह, अनिल कुमार तथा खाराखेड़ी के सरपंच संजय कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। वर्तमान में उक्त आरोपी 26 फरवरी 2026 को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ से जमानत पर हैं। फतेहाबाद पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या किसी को डराने-धमकाने का प्रयास सामने आता है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने मामले में त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन का आभार व्यक्त किया।पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि जिला फतेहाबाद पुलिस आमजन की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी व्यक्ति को असुरक्षा का अनुभव नहीं होने दिया जाएगा और शिकायत मिलने पर तुरंत, निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ज़िला कलेक्टर ने की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की प्रगति की समीक्षा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भी की चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं महिला समाधान समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत अब तक किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

जिला कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब बीकानेर जिले की प्रत्येक बालिका सशक्त बनकर शिक्षा प्राप्त करे और आगे बढ़ते हुए आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को अपने व्यक्तित्व के सभी आयामों का विकास करने के अवसर प्रदान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों तथा पन्नाधाय सुरक्षा सम्मान योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले पुरस्कारों की रूपरेखा पर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिला कलेक्टर ने महिला अधिकारिता विभाग एवं संबंधित विभागों के समन्वय से 8 मार्च को प्रभावी एवं सार्थक आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सोहन लाल ने कहा कि महिलाओं को समाज में अपनी पहचान और भूमिका को सशक्त रूप से स्थापित करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम 'गिव टू गेन' (उदारता और सहयोग) निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि इस थीम के अनुरूप सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें।

उपनिदेशक महिला अधिकारिता अनुराधा माथुर ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए सखी वन स्टॉप सेंटर तथा महिला सुरक्षा सलाह केंद्र में प्राप्त प्रकरणों और उनके निस्तारण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से महिलाओं को 24 घंटे सुरक्षा एवं सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है तथा हिंसा से मुक्ति के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पुखराज साध, महिला बाल विकास उपनिदेशक सुभाष विश्नोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

होली की कहासुनी बनी गोलियों की गूंज

गहनोली में ताबड़तोड़ फायरिंग करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार, 315 बोर का अवैध कट्टा बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । होली के दिन हुई मामूली कहासुनी ने गहनोली गांव में उस समय सनसनी फैला दी जब रात के अंधेरे में आरोपियों ने एक घर के बाहर पहुंचकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का अवैध देशी कट्टा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गहनोली निवासी भूरसिंह पुत्र रामधन गुर्जर (62) ने थाना महवा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 2 मार्च को दिन में होली के दौरान उनके भतीजे राजेन्द्र और गांव के युवक अभिषेक प्रजापत के बीच कहासुनी हो गई थी। दिन की इस मामूली तकरार ने रात होते-होते गंभीर रूप ले लिया। आरोप है कि उसी विवाद के चलते रात करीब 11 बजे अभिषेक अपने साथियों के साथ भूरसिंह के घर के बाहर पहुंचा और हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया। घटना की रिपोर्ट पर थाना महवा में प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। सीओ महवा मनोहरलाल मीना के सुपरविजन तथा थानाधिकारी राजेन्द्र मीना के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अभिषेक प्रजापत (21) पुत्र टीकमसिंह प्रजापत निवासी गहनोली को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का अवैध देशी कट्टा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार इस घटनाक्रम में शामिल एक अन्य आरोपी सोनू उर्फ निगम मीना निवासी हुडला को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और फायरिंग की घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

टोहाना में बजरंग दल का प्रदर्शन, अवैध मदरसों की जांच की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

स्थानीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को टोहाना स्थित एसडीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर प्रशासन और सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने स्पीकर पर अज़ान बजाकर अपनी मांगों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया तथा हरियाणा सरकार का पुतला फूंका। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना था कि टोहाना शहर में अवैध रूप से संचालित मदरसों और अवैध प्रवासियों के रहने की शिकायतें लंबे समय से प्रशासन को दी जा रही हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसके अलावा शहर की कुछ मस्जिदों और मदरसों में तेज आवाज में लाउडस्पीकरों के उपयोग को लेकर भी उन्होंने आपत्ति जताई। प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि इस संबंध में कई बार प्रशासन को ज्ञापन भी दिया जा चुका है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। इसी के विरोध में कार्यकर्ताओं ने एसडीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। बजरंग दल के जिला संयोजक एडवोकेट अंकित भालोठिया ललौदा ने कहा कि संगठन सोमवार तक प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार करेगा। यदि तब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मुद्दे को लेकर आगे और व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के नेता केवल बयानबाजी तक सीमित हैं और जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर प्रयास नहीं करते। प्रदर्शन के अंत में कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की कि अवैध मदरसों की जांच, अवैध प्रवासियों के सत्यापन तथा नियमों के विरुद्ध तेज आवाज में चल रहे लाउडस्पीकरों पर जल्द कार्रवाई की जाए, ताकि शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

प्रीति कुमारी को यूपीएससी में सफलता, ऑल इंडिया 521वीं रैंक हासिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

क्षेत्र के तातीजा गांव की बेटी प्रीति कुमारी पुत्री थावरमल जेवरिया ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए ऑल इंडिया 521वीं रैंक प्राप्त की है। प्रीति की इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है तथा लोगों ने उन्हें बधाइयां दी हैं। प्रीति कुमारी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा खेतड़ी नगर के एक निजी विद्यालय से प्राप्त की। उन्होंने 10वीं और 12वीं की पढ़ाई वहीं से पूरी की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम की पढ़ाई की और आगे की पढ़ाई के लिए आईआईटी बॉम्बे से एमएससी की डिग्री हासिल की। उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद वह फिर से दिल्ली लौट आई और यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी। प्रीति के लिए यह सफलता आसान नहीं थी। पहले प्रयास में वह प्रारंभिक परीक्षा भी पास नहीं कर सकी। दूसरे प्रयास में भी सफलता नहीं मिली और तीसरे प्रयास में वह मेन्स परीक्षा तक पहुंचकर रह गई। चौथे प्रयास में उन्होंने इंटरव्यू तक पहुंचने में सफलता हासिल की, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो सका। इसके बावजूद उन्होंने हताश होने की बजाय पूरी एकाग्रता और मेहनत के साथ अपनी तैयारी जारी रखी। आखिरकार पांचवें प्रयास में उन्होंने इंटरव्यू भी सफलतापूर्वक पास कर लिया और ऑल इंडिया 521वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रीति के पिता थावरमल जेवरिया तातीजा के सरकारी स्कूल में अध्यापक हैं। बेटी की इस सफलता पर परिवारजनों में खुशी का माहौल है और शुभचिंतकों द्वारा लगातार बधाइयां दी जा रही हैं। वहीं विधायक प्रत्याशी मनोज घमुरिया ने भी प्रीति कुमारी को फोन कर शुभकामनाएं दीं और सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रीति की सफलता के पीछे उनके माता-पिता का सहयोग और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने प्रीति को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

आंतरहेड़ा के अंकित जारवाल का कमालः यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 205वीं रैंक, गांव में जश्न का माहौल

मंडावर डाकघर के पोस्टमास्टर हरकेश मीना के भतीजे की सफलता ने बढ़ाया क्षेत्र का मान।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के आंतरहेड़ा गांव के होनहार युवक अंकित जारवाल ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में 205वीं रैंक हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे महवा क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल यूपीएससी में यह उपलब्धि हासिल होते ही गांव सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल बन गया। परिणाम घोषित होने की सूचना मिलते ही परिजन, रिश्तेदार और ग्रामीण एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाइयां देने लगे और पूरे गांव में उत्साह का वातावरण दिखाई दिया। ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की इस कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले अंकित की उपलब्धि को क्षेत्र में प्रतिभा, मेहनत और संकल्प की मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। अंकित जारवाल के पिता जगमोहन मीणा पेशे से शिक्षक हैं, जबकि माता ललिता मीणा डाक विभाग में पोस्ट मास्टर के पद पर कार्यरत हैं। परिवार में शिक्षा, अनुशासन और परिश्रम की मजबूत परंपरा रही, जिसने अंकित के व्यक्तित्व को बचपन से ही लक्ष्य के प्रति समर्पित बनाया। साथ ही मंडावर डाकघर में पदस्थ अपने सौम्य स्वभाव और व्यवहार कुशलता के लिए पहचाने जाने वाले पोस्टमास्टर हरकेश मीना के भतीजे अंकित बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे और उन्होंने कठिन परिश्रम, धैर्य और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया। परिवार और शिक्षकों के मार्गदर्शन के साथ लगातार की गई तैयारी ने उन्हें इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता दिलाई। सिविल सेवा की तैयारी के दौरान अंकित को उनके मामा राहुल मीणा से भी विशेष प्रेरणा और मार्गदर्शन मिला, जो भारतीय वन सेवा के अधिकारी हैं। प्रशासनिक सेवा से जुड़े उनके अनुभव और मार्गदर्शन ने अंकित को प्रतिस्पर्धा के कठिन दौर में सही दिशा और रणनीति प्रदान की, जिससे वह अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे। अंकित की इस सफलता से आंतरहेड़ा गांव ही नहीं बल्कि पूरे महवा क्षेत्र में गर्व की भावना है। ग्रामीणों का कहना है कि अंकित ने यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपनी जगह बना सकते हैं। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं में नई प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। अंकित जारवाल की सफलता पर गांव के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों और समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए अंकित को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों का मानना है कि अंकित की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को बड़े लक्ष्य हासिल करने का नया हौसला देगी।

मंडावर बस स्टैंड पर बजरी से भरे ट्रैक्टर ने बस को मारी टक्कर, बड़ा हादसा टला

सरकारी रोक के बावजूद मंडावर में धड़ल्ले से दौड़ रहे अवैध बजरी के ट्रैक्टर, कार्रवाई पर उठे सवाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । राज्य सरकार की ओर से अवैध बजरी खनन और परिवहन पर सख्त रोक तथा समय-समय पर चलाए जा रहे विशेष अभियानों के बावजूद मंडावर क्षेत्र में बजरी माफियाओं के ट्रैक्टर-ट्रॉली बेखौफ होकर सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को इसी लापरवाही के चलते मंडावर बस स्टैंड पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बेकाबू होकर आगे चल रही निजी बस संख्या आरजे-02 पीए-9558 को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि उस समय बस में सवार यात्रियों को कोई गंभीर चोट नहीं आई और गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद बस स्टैंड क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को घेर लिया और चालक से जवाब-तलब किया। काफी देर तक चली कहासुनी के बाद ट्रैक्टर चालक द्वारा बस की मरम्मत करवाने का आश्वासन देने पर मामला शांत हुआ, लेकिन इस घटना ने मंडावर क्षेत्र में खुलेआम हो रहे अवैध बजरी परिवहन और जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों और स्थानीय पुलिस की अनदेखी के कारण अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली दिन-रात तेज गति से क्षेत्र में दौड़ते नजर आते हैं। ग्रामीणों के अनुसार ये वाहन शहर के मुख्य बाजारों, बस स्टैंड, पुलिस थाना, रसीदपुर चौकी, उपखंड कार्यालय और वन विभाग कार्यालय जैसे संवेदनशील स्थलों के सामने से भी बेखौफ होकर गुजरते हैं, लेकिन इन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। लोगों का कहना है कि ऐसी स्थिति में अवैध खनन और परिवहन में लिप्त लोगों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं और यदि समय रहते इस पर सख्ती से अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में ऐसे हादसे कभी भी गंभीर जनहानि का कारण बन सकते हैं।

इनका कहना है?

'मैं फिलहाल एक दबिश के सिलसिले में बाहर हूं। इस प्रकार की घटना को लेकर अभी तक थाने पर कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। संबंधित ट्रैक्टर-ट्रॉली वैध रवन्ना के साथ चल रही थी या अवैध रूप से बजरी परिवहन कर रही थी, इसका स्पष्ट पता जांच के बाद ही चल सकेगा। इस संबंध में वन विभाग, खनन विभाग अथवा पुलिस की जांच के उपरांत ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी।'

प्रवीण मीना,थानाधिकारी, मंडावर

'घटना को लेकर फिलहाल किसी प्रकार की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि क्षेत्र में अवैध खनन या बजरी परिवहन की सूचना मिलने पर विभाग द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाती है।'

दुर्गासिंह,स्थानीय फोरेस्ट कार्यदेशक

शिक्षा मंत्री की बैठक में शिक्षक संघ रेसटा ने उठाई तबादला नीति, पदोन्नति व स्टाफिंग पैटर्न की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । शिक्षा संकुल जयपुर में शुक्रवार को राज्य के विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्कूल शिक्षा के शासन सचिव कृष्ण कुणाल तथा माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट भी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों, ओआरएफ प्रणाली की प्रगति तथा शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि संगठन की ओर से प्रदेश महामंत्री नवल सिंह मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष गजराज सिंह मोठपुर सहित विभिन्न शिक्षक संघों के दो-दो प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों और सुझावों को विस्तार से रखा। रेसटा के प्रतिनिधियों ने बैठक में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए स्थायी तबादला नीति बनाने की मांग रखते हुए विधायकों व जनप्रतिनिधियों की डिजायर प्रथा समाप्त करने की बात कही। साथ ही यह भी मांग की गई कि अध्यापक और वरिष्ठ अध्यापक के स्थानांतरण में वरिष्ठता विलोपित नहीं की जाए तथा शिक्षक सम्मेलनों में शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य की जाए। संघ ने अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक तथा वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पद पर बकाया पदोन्नतियों को शीघ्र करवाने की मांग भी रखी। इसके अलावा स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा करने, राज्य सरकार की घोषणा के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारियों के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती करने तथा प्राचार्य और उपप्राचार्य के 50 प्रतिशत पदों पर भी सीधी भर्ती लागू करने की मांग की गई।बैठक में कंप्यूटर अनुदेशकों की वेतन विसंगति दूर करने, केडर संशोधन करने, अनिवार्य विषयों के व्याख्याताओं के पद स्वीकृत करने तथा अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शेष कार्मिकों के परिणाम जारी करने की मांग भी उठाई गई। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, शासन सचिव कृष्ण कुणाल, माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट सहित विभागीय अधिकारियों ने शिक्षक संगठनों द्वारा रखी गई सभी मांगों को गंभीरता से सुना और उन पर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए संवाद बनाए रखने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

कार्यालय ग्राम पंचायत खुडाना, पं.स. चिड़ावा, जिला-झुन्झुनूं

क्रमांकः 264 दिनांकः 06.03.2026

खुली निविदा सूचना/2025-26

इस कार्यालय की NIB No. ZJU2526A0839 एवं UBN No. ZJU2526WSOB01412 to 1413 के द्वारा निविदाएं आमंत्रित की गई है जिन्हें http//sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत खुडाना

संक्षिप्त समाचार

ईरान से जंग के बीच अमेरिका का बड़ा कदम, डूम्सडे बैलिस्टिक मिसाइल का किया परीक्षण ; कितनी घातक ?

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने मंगलवार रात कैलिफोर्निया तट पर अपनी 'डूम्सडे' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। 'मिनटमैन ढ्ढढ्ढ' नाम की यह मिसाइल बेहद घातक है। यह हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से 20 गुना ज्यादा शक्तिशाली परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता रखती है। इसे सांता बारबरा के पास वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से रात 11 बजे लॉन्च किया गया। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने जानकारी दी कि 'जीटी 254' नाम का यह रॉकेट बिना किसी हथियार के छोड़ा गया था। इसने प्रशांत महासागर में मार्शल आइलैंड्स के पास अपने तय लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। एयर फोर्स ग्लोबल स्ट्राइक कमांड ने बताया कि इस मिसाइल को इसकी सटीकता और तैयारी को परखने के लिए दागा गया था। 576वें फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल कैरी रे ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि इस टेस्ट से मिसाइल सिस्टम के अलग-अलग हिस्सों की कार्यक्षमता का अंदाजा लगाने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि ऐसे परीक्षणों से देश की परमाणु शक्ति के जमीनी हिस्से को और भी मजबूत और तैयार रखा जा सकता है। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और इस्राइल ने हाल ही में ईरान पर हमला किया था। उस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जिससे पूरे इलाके में जंग छिड़ गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर हमले तेज करने चेतावनी दी है और कहा है कि एक बड़ा हमला होने वाला है। हालांकि, एयर फोर्स ग्लोबल स्ट्राइक कमांड ने यह भी साफ किया कि मंगलवार का यह परीक्षण रूटीन था और इसकी योजना वर्षों पहले ही बना ली गई थी।

इजराइल-ईरान जंग के बीच बंकर में शादी

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का आज छठा दिन है। इजराइली और अमेरिकी सेनाओं ने गुरुवार को भी ईरान के अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। ईरान के इजराइल और गल्फ देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ अन्य जगहों पर भी हमले जारी हैं। 28 फरवरी को शुरू हुई इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई की मौत हो चुकी है। अमेरिका-इजराइल तीन दिन में 2000 से ज्यादा बम गिरा चुके हैं। इससे ईरान में 1,045 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मिशा नाम के एक शख्स ने बुधवार को इजराइल के तेल अवीव स्थित एक भूमिगत बम शेल्टर में शादी की। इस दौरान अपनी दुल्हन लियोर के चेहरे पर घूंघट डाला। यह शादी पहले पेटाह टिकवा में होने वाली थी, लेकिन जंग की वजह से इसे बम शेल्टर में शिफ्ट किया गया। मिशा ने कहा- हालात कैसे भी हों नई शुरुआत होनी चाहिए। जिंदगी रुकना नहीं चाहिए। इजराइल में यहूदी पर्व पुरिम) मनाया जा रहा है। इस मौके पर तेल अवीव के एक बम शेल्टर में स्थानीय लोग एकत्रित हुए। पुरिम पर्व प्राचीन फारस में यहूदियों के नरसंहार से बचाए जाने की स्मृति में मनाया जाता है। यरूशलम के एक बंकर में स्थानीय लोगों ने नाचते- गाते पुरिम पर्व मनाया। यहां के लोगों का कहना है कि जंग के दौरान भी खुशी मनाना उनके अस्तित्व का प्रमाण है। यरूशलम में बुधवार को पुरिम पर्व मनाने के लिए सैंकड़ों की तादाद में लोग जमा हुए। इस दौरान इजराइल लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बम बरसा रहा था।

'वर्क फ्रॉम होम' लागू करने की तैयारी में पाक, ईरान युद्ध ने बिगाड़ा तेल का खेल ; सऊदी की शरण में शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन की आपूर्ति पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। इस संभावित संकट का सीधा और गहरा असर पाकिस्तान पर पड़ने की आशंका है। कच्चे तेल की सप्लाई चेन बुरी तरह बाधित होने के डर से पाकिस्तान सरकार अब आपातकालीन कदम उठाने की तैयारी कर रही है। ईंधन संरक्षण के इस कड़े कदम के तहत, सरकार देश में अनिवार्य रूप से 'वर्क फ्रॉम होम' (ङ्खस्न ॥) लागू करने की योजना बना रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दफ्तर जाने वाले लोगों को घर पर ही रोकना और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को कम करना है, ताकि पेट्रोल और डीजल की भारी खपत को नियंत्रित किया जा सके। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने बुधवार को सऊदी अरब से एक वैकल्पिक मार्ग के जरिए तेल आपूर्ति जारी रखने का आधिकारिक अनुरोध किया है। पाकिस्तान के संघीय पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने पाकिस्तान में सऊदी अरब के राजदूत नवाफ बिन सईद अल-मल्की के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, मलिक ने सऊदी अरब से लाल सागर पर स्थित यानबू बंदरगाह के जरिए तेल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। सऊदी राजदूत ने पाकिस्तान को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि रियाद किसी भी आपातकालीन ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए इस्लामाबाद के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

ईरान युद्ध पर अमेरिका का बड़ा कबूलनामा; रक्षा मंत्री हेगसेथ बोले- हर मिसाइल रोक पाना संभव नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने स्वीकार किया है कि ईरान की ओर से दागी जाने वाली हर मिसाइल या ड्रोन को रोक पाना संभव नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना की ताकत और तकनीक इतनी मजबूत है कि ईरान के हवाई क्षेत्र पर धीरे-धीरे अमेरिका का नियंत्रण बढ़ता जा रहा है। पेंटागन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने अपने सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए हवाई रक्षा प्रणाली को मजबूत करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि हमला शुरू करने से पहले ही अधिकतम सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई थी, ताकि सैनिकों को नुकसान कम से कम हो।

अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा अब भी बना हुआ : अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारी और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन कैन ने भी साफ कहा कि अमेरिकी सैनिक अभी भी खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं होता और स्थिति को गंभीरता से देखने की जरूरत है। रविवार को कुवैत के एक नागरिक बंदरगाह क्षेत्र में ईरानी ड्रोन हमले में छह अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। यह हमला सेना के मुख्य बेस से करीब 10 मील दूर एक ऑपरेशन सेंटर पर हुआ था। बताया गया कि यह केंद्र शिपिंग कंटेनर जैसी इमारत में बना था और वहां मजबूत सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी।

जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या अमेरिका ईरान में जमीनी सैनिक भेज सकता है, तो जनरल कैन ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी कहा कि फिलहाल यह योजना का हिस्सा नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति के सामने मौजूद किसी विकल्प को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता।

युद्ध 3 हफ्ते से लेकर 2 महीने तक चल सकता है- हेगसेथ : रक्षा मंत्री हेगसेथ ने संकेत दिया कि यह संघर्ष पहले की उम्मीद से ज्यादा लंबा चल सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध तीन हफ्ते से लेकर आठ हफ्ते तक भी चल सकता है। उनके अनुसार युद्ध की अवधि इस बात पर निर्भर करेगी कि हालात किस दिशा में बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि अभी युद्ध की गति और रणनीति अमेरिका तय कर रहा है और ईरान दबाव में है। हेगसेथ ने बताया कि अमेरिका लगातार इस क्षेत्र में अतिरिक्त लड़ाकू विमान और बमवर्षक भेज रहा है, ताकि अभियान को मजबूत बनाया जा सके।

अमेरिका का दावा- हथियारों की कमी नहीं : हेगसेथ और जनरल कैन दोनों ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास हथियारों और गोला-बारूद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि युद्ध की शुरुआत में अमेरिका ने अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था, लेकिन अब जब ईरान के आसमान पर नियंत्रण बढ़ गया है तो पारंपरिक लेकिन सटीक बमों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जनरल कैन के अनुसार अमेरिकी हमलों ने ईरान के कई मिसाइल ठिकानों और सैन्य लक्ष्यों को नुकसान पहुंचाया है। इसी वजह से अब अमेरिकी विमान ईरान के अंदरूनी इलाकों तक जाकर हमला कर पा रहे हैं।

ईरान के हमलों में कमी, लेकिन खतरा बना हुआ : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार युद्ध की शुरुआत की तुलना में ईरान द्वारा दागी जा रही बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या में लगभग 86 प्रतिशत की कमी आई है। पिछले 24 घंटों में भी इसमें करीब 23 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा एक-तरफा हमला करने वाले ड्रोन के इस्तेमाल में भी लगभग 73 प्रतिशत की कमी देखी गई है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान संभवतः अपने कुछ हथियार भविष्य के लिए बचाकर रख रहा है ताकि युद्ध लंबा खींच सके।

पश्चिम एशिया से अमेरिकी नागरिकों की निकासी : इस बीच अमेरिका ने पश्चिम एशिया के 14 देशों में रह रहे अपने नागरिकों को तुरंत वहां से निकलने की सलाह दी है। क्षेत्र में लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण कई जगहों का हवाई क्षेत्र बंद हो गया है और बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हो रही हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक करीब 6,500 अमेरिकियों को क्षेत्र से निकालने में मदद की गई है। वहीं शनिवार से अब तक 17,500 से ज्यादा अमेरिकी नागरिक पश्चिम एशिया से अमेरिका लौट चुके हैं, जिनमें से अधिकांश लोग व्यावसायिक उड़ानों के जरिए लौटे हैं।

टैरिफ नीति पर बुरे फंसे ट्रंप: रिफंड पर न्यूयॉर्क कोर्ट का बड़ा फैसला, जज बोले- कंपनियों को लौटाया जाएगा पैसा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में टैरिफ विवाद में बड़ा मोड़ आ गया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब न्यूयॉर्क की संघीय अदालत ने भी ट्रंप प्रशासन को झटका दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि जिन कंपनियों ने ट्रंप सरकार की तरफ से लगाए गए आयात टैरिफ का भुगतान किया था, उन्हें अब पैसा वापस किया जाएगा। यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के जज रिचर्ड ईटन ने कहा कि सभी आयातक कंपनियां यूएस सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का लाभ पाने की हकदार हैं, जिसमें पिछले महीने ट्रंप के कई टैरिफ को असंवैधानिक बताया गया था। फैसला सुनाते हुए यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में न्यायाधीश रिचर्ड ईटन ने कहा कि सभी आयातक रिकॉर्ड के मालिक इस फैसले का लाभ पाने के हकदार हैं। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस निर्णय के बाद आया, जिसमें अमेरिकी टैरिफ को अवैध बताते हुए कहा गया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1977 की अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ संविधान के खिलाफ हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एक नजर : इतना ही नहीं अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी जोड़ा था कि राष्ट्रपति अकेले टैरिफ तय और बदल नहीं सकते, क्योंकि कर लगाने का अधिकार केवल कांग्रेस का है। इस फैसले में पारस्परिक टैरिफ, जो लगभग सभी देशों पर लगाए गए थे, को भी अवैध घोषित किया गया।

कंपनियों के रिफंड पर कोर्ट सख्त : न्यायाधीश ईटन ने अपने फैसले में कहा कि वह अकेले आईईईपीए टैरिफ की वापसी के मामलों को सुनेंगे। इससे यह साफ हुआ कि कंपनियों को टैरिफ लौटाने की प्रक्रिया कैसे होगी, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इसका जिक्र नहीं किया। इसपर वकील रयान मेजरस ने कहा कि सरकार शायद इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी या वापसी की प्रक्रिया को रोकने के लिए समय मांगेगी। बता दें कि अमेरिका सरकार ने अब तक इन टैरिफ से 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर इकट्ठा किए थे। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार को कुल 175 बिलियन डॉलर तक की वापसी करनी पड़ सकती है। ऐसे में यह फैसला विशेष रूप से एटमस निस्पंदन, नाशविल, टेनेसी की कंपनी के मामले पर आया है, जिसने टैरिफ की वापसी का दावा किया था। यह कंपनी फिल्टर्स और अन्य फिल्ट्रेशन प्रोडक्ट बनाती है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि जब कोई सामान अमेरिका में आता है, तो यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन उसका अंतिम हिसाब करती है, जिसे लिक्विडेशन कहते हैं।

मध्य पूर्व में तनाव के बीच घर लौट रहे दक्षिण कोरियाई पर्यटक

सियोल , एजेंसी। मध्य पूर्व देशों में बढ़ते तनाव के बीच दक्षिण कोरियाई पर्यटक धीरे-धीरे अपने घर लौट रहे हैं। वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था होने के बाद उनकी वापसी आसान हो सकी है। पर्यटन उद्योग के सूत्रों के अनुसार, बुधवार तक प्रमुख ट्रैवल एजेंसियों के 400 से अधिक पर्यटक दुबई में ठहरे हुए थे। इनमें हाना टूर के करीब 150 ग्राहक, मोड टूर के लगभग 190 ग्राहक और येलो बैलून टूर के करीब 70 ग्राहक शामिल हैं। यह जानकारी योनहाप समाचार एजेंसी ने दी है। हाना टूर ने बताया कि उसके 40 ग्राहक दिन में पहले ही दुबई से रवाना हो चुके हैं और वे गुरुवार देर रात तक दक्षिण कोरिया पहुंचने वाले हैं। वहीं मोड टूर ने भी अपने 39 ग्राहकों के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की है, जिनके इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचने की उम्मीद है। इन यात्रियों के लौटने के बाद भी 330 दक्षिण कोरियाई पर्यटक दुबई में ही रहेंगे। कंपनियों के मुताबिक मध्य पूर्व के अन्य देशों में मौजूद पर्यटक फिलहाल बिना किसी बड़ी समस्या के अपने देश लौट रहे हैं। हाना टूर के एक अधिकारी ने बताया कि काहिरा में मौजूद उनके समूह के पर्यटक बिना किसी व्यवधान के वापस लौट रहे हैं। वहीं, येलो बैलून टूर के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी काहिरा और जॉर्डन के अम्मान में मौजूद अपने ग्राहकों के लिए इस सप्ताह के अंत में वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था कर रही है। इस बीच सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्य नीति निर्माता ने चेतावनी दी कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण मध्य पूर्व को होने वाला दक्षिण कोरिया का निर्यात प्रभावित हो सकता है। उससे निपटने के लिए कदम तैयार किए जा रहे हैं। नेशनल असेंबली की नीति समिति की अध्यक्ष हान जियोंग-ए ने संबंधित संसदीय समितियों के डेमोक्रेटिक सांसदों के साथ बैठक में कहा कि बढ़ता संघर्ष मध्य पूर्व के प्रमुख देशों को होने वाले दक्षिण कोरिया के निर्यात पर असर डाल सकता है, जो पिछले वर्ष 200 ट्रिलियन वॉन रहा था। उन्होंने कहा कि हम इस संभावना को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि मध्य पूर्व में लगभग 100 ट्रिलियन वॉन के वे प्रोजेक्ट, जिन्हें हमारी कंपनियों ने स्मार्ट सिटी, परमाणु ऊर्जा संयंत्र और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर जैसे भविष्य के विकास इंजन के रूप में विकसित किया है, देरी का शिकार हो सकते हैं।

पूर्व अमेरिकी कर्नल का बड़ा दावा- हमारे बेस तबाह, अब भारत पर निर्भर रहना पड़ रहा है

वाशिंगटन, एजेंसी। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा, 'अमेरिकी सैनिक अभी भी खतरे में हैं, और हमें यह साफ पता होना चाहिए कि जोखिम अभी भी बहुत ज्यादा है।' अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को स्वीकार किया कि ईरान के कुछ हवाई हमले अभी भी लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं।

ईरान और अमेरिका में जंग जारी है। इसी बीच अमेरिकी सेना के पूर्व कर्नल ने दावा किया है कि ईरान मजबूती से लड़ रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका के कई बेस तबाह हो गए हैं और युद्ध के लिए भारत और उसके बेस पर निर्भर रहना पड़ रहा है। हालांकि, इसे लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सरकार या भारत ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच 6 दिनों से खूनी संघर्ष जारी है। मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी सेना के पूर्व कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने चीन और रूस की तरफ से ईरान को मदद मिलने की बात कही है। उन्होंने कहा, 'चीन और रूस हर चीज पर नजर रखे हुए हैं और सरकार के साथ संपर्क में हैं। वो सैटेलाइट इंटेलिजेंस मुहैया करा रहे हैं, जिसकी वजह से कुछ सफलता (ईरान) को मिली है। खासतौर से इजरायल और हमारे अमेरिकी बेस पर मिली है।' उन्होंने कहा, 'हमारे सभी बेस तबाह हो गए हैं। हमारे हार्बर इंस्टॉलेशन तबाह हो गए हैं। असल में हमें भारत और भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर रहना होगा...। मुझे लगता है कि ईरान बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।' ईरान के कुछ हमले टारगेट तक पहुंच सकते हैं, अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को स्वीकार किया कि ईरान के कुछ हवाई हमले अभी भी लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की सैन्य सर्वोच्चता उसे इस्लामी गणराज्य के हवाई क्षेत्र पर तेजी से नियंत्रण करने में मदद कर रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास युद्ध के लिए पर्याप्त साजो सामान है। ईरान पर इजरायल के साथ हमले शुरू करने के कुछ दिन बाद, हेगसेथ ने पेंटागन में संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना और सहयोगियों की सुरक्षा के लिए वायु रक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में 'कोई कसर' नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब यह नहीं है कि हम सब कुछ रोक सकते हैं, लेकिन हमने यह पक्का किया कि हमला करने से पहले अधिक से अधिक रक्षा और प्रतिरक्षा तैयार किया जाए।' उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इलाके में और ड्रोन या मिसाइल हमलों से सैनिकों को नुकसान हो सकता है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप और शीर्ष रक्षा अधिकारियों ने इस लड़ाई में और अमेरिकी लोगों के मारे जाने की आशंका जताई है क्योंकि यह संघर्ष लंबा चल सकता है। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा, 'अमेरिकी सैनिक अभी भी खतरे में हैं, और हमें यह साफ पता होना चाहिए कि जोखिम अभी भी बहुत ज्यादा है।'

सनसनीखेज दावा: 'मेरे पास कोई चारा नहीं था', ट्रंप की हत्या क्यों करना चाहता था पाकिस्तानी आसिफ ?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य शीर्ष अमेरिकी नेताओं की हत्या की साजिश रचने के आरोपी एक पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट ने बुधवार को अदालत में जूरी के सामने गवाही दी। उसने दावा किया कि उसने ईरान के कुलीन 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' के साथ अपनी मर्जी से काम नहीं किया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने आसिफ मर्चेंट पर आरोप लगाया है कि उसने ट्रंप और अन्य राजनेताओं की हत्या की योजना के तहत अमेरिका के भीतर लोगों की भर्ती करने की कोशिश की। यह साजिश अमेरिका द्वारा ईरान के शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने के लिए रची गई

थी। ईरान में सैन्य और आर्थिक शक्ति के साथ-साथ एक मजबूत खुफिया नेटवर्क होने के कारण 'रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' की वहां केंद्रीय भूमिका है।

आरोपी मर्चेंट का अदालत में बचाव : 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवाद और हत्या की सुपारी के आरोपों का सामना कर रहे मर्चेंट ने अदालत में कहा- मैं यह काम इतनी स्वेच्छा से नहीं करना चाहता था। उसने दावा किया कि उसने तेहरान में रह रहे अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए मजबूरी में इस साजिश में हिस्सा लिया। मर्चेंट ने यह भी कहा कि उसे कभी किसी विशिष्ट व्यक्ति को मारने का सीधा आदेश नहीं मिला था। हालांकि, तेहरान में बातचीत के दौरान उसके ईरानी हैंडलर ने तीन प्रमुख नेताओं के नाम लिए थे- डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडेन (तत्कालीन राष्ट्रपति), निक्की हेली (2024 के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवारी की पूर्व दावेदार) सरकारी वकीलों ने मर्चेंट के 'मजबूरी' वाले दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। 2024 से चल रहे इस मामले में, मंगलवार को जज को भेजे गए एक पत्र में अभियोजकों ने कहा कि सच्चे दबाव या जबरदस्ती को साबित करने के लिए कोई भी उचित साक्ष्य मौजूद नहीं है। इस बीच, मर्चेंट के वकीलों और वाइट हाउस की तरफ से इस मामले पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई है। इस मामले का ट्रायल पिछले हफ्ते ही शुरू हुआ है। गौरतलब है कि ट्रायल शुरू होने से कुछ दिन पहले ही ट्रंप के आदेश पर अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर बड़े हमले किए हैं। इन संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और मध्य पूर्व के देश के कई शीर्ष अधिकारी मारे गए। रविवार को एबीसी न्यूज से बात करते हुए ट्रंप ने खामेनेई को मारने वाले इस ऑपरेशन का बचाव किया।

किम जोंग उन का दावा- परमाणु ताकत से लैस होगी उत्तर कोरिया की नौसेना, नए युद्धपोत का किया निरीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने लगातार दो दिनों तक नए युद्धपोत (डिस्ट्रॉयर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने युद्धपोत से दागी गई क्रूज मिसाइलों का परीक्षण भी देखा। किम ने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से और अधिक मजबूत करने का वादा किया है। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इस दौरे की जानकारी दी।

किम जोंग उन ने मंगलवार और बुधवार को नम्पो के पश्चिमी शिपयार्ड का दौरा किया। वहां उन्होंने 5,000 टन के युद्धपोत 'चो ह्योन' जैसी श्रेणी के तीसरे जहाज के निर्माण कार्य का जायजा लिया। किम ने कहा कि 'चो ह्योन' का विकास उनकी सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी प्रगति है। यह जहाज परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है। दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों का मानना है कि इस जहाज को बनाने में रूस ने मदद की है। हालांकि, कुछ लोग इसकी कार्यक्षमता पर संदेह भी जता रहे हैं।

पिछले साल मई में इसी श्रेणी का दूसरा जहाज लॉन्चिंग के दौरान खराब हो गया था। इस नाकामी पर किम जोंग उन ने बहुत गुस्सा जाहिर किया था। उन्होंने इसे एक अपराध बताया था। उस जहाज का नाम 'कांग कोन' था, जिसे मरम्मत के बाद जून में फिर से लॉन्च किया गया। किम ने अब लक्ष्य रखा है कि अगले पांच वर्षों तक हर साल दो बड़े युद्धपोत बनाए जाएंगे। उनका पूरा ध्यान अब नौसेना की क्षमता

बढ़ाने पर है। इसमें परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाना भी शामिल है। नम्पो शिपयार्ड में बन रहा तीसरा युद्धपोत अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

किम जोंग उन ने दावा किया कि नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने की कोशिशों में अच्छी प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव समुद्री सीमाओं की रक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया एक नई समुद्री सीमा घोषित करने की तैयारी में है। किम ने साफ कर दिया है कि वे पुरानी समुद्री सीमा (एनएलएल) को मान्यता नहीं देते हैं। इस वजह से आने वाले समय में समुद्री क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।

किम ने अपनी सेना को मजबूत करने के साथ-साथ कूटनीतिक रास्ते भी खुले रखे हैं। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत की संभावना जताई है। हालांकि, उन्होंने शर्त रखी है कि अमेरिका को परमाणु निरस्त्रीकरण की अपनी जिद छोड़नी होगी। किम ने स्पष्ट किया कि वे अपने हथियारों का जखीरा बढ़ाना जारी रखेंगे ताकि किसी भी खतरे का सामना किया जा सके। उन्होंने दक्षिण कोरिया के प्रति भी अपना सख्त रुख बरकरार रखा है। उत्तर कोरिया की इन गतिविधियों ने पूरे एशिया क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है।

पाकिस्तान-अफगान सीमा तनाव: छह दिन से जारी जंग के बीच तुर्किये ने की मध्यस्थता की पेशकश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी झड़पें अब छठे दिन में पहुंच गई हैं। इसके बाद भी दोनों तरफे से हमले जारी है। इसी बीच अब इस मामले में तुर्किये की एंट्री हुई है। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच नया युद्धविराम कराने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। बता दें कि संघर्ष की शुरुआत पिछले हफ्ते हुई, जब अफगानिस्तान ने गुरुवार को पाकिस्तान पर हमले किए। यह हमला पाकिस्तान द्वारा पिछले सप्ताहांत किए गए हवाई हमलों के जवाब में बताया गया।

इसके बाद पाकिस्तान ने सीमा पर सैन्य अभियान शुरू कर दिया और कहा कि वह अफगानिस्तान के साथ खुले युद्ध जैसी स्थिति में है। इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ गई है। इससे पहले दोनों देशों के बीच अक्तूबर 2024 में कतर और तुर्किये की मदद से युद्धविराम हुआ था। उस समझौते के बाद इस्तांबुल में छह दिन तक बातचीत भी हुई और नवंबर में तीसरे दौर की वार्ता पर सहमति बनी थी। लेकिन 6 और 7 नवंबर को हुई बातचीत में कोई ठोस नतीजा नहीं निकला और शांति प्रक्रिया रुक गई।

तुर्किये का राष्ट्रपति और पाकिस्तानी पीएम की बातचीत : तुर्किये के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार,एर्दोगन ने फोन पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत की। उन्होंने पाकिस्तान में हुए आतंकी हमलों की निंदा की और कहा कि तुर्किये पाकिस्तान और अफगानिस्तान के

बीच फिर से युद्धविराम बहाल कराने में मदद करेगा। हालांकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सीधे तौर पर इस प्रस्ताव की पुष्टि नहीं की, लेकिन बताया कि दोनों नेताओं ने 2,611 किलोमीटर लंबी अफगान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव पर चर्चा की और क्षेत्र में शांति व स्थिरता के लिए संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

मामले में अफगान भी मौन : दूसरी ओर अभी तक इस मामले में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की ओर से एर्दोआन की पेशकश पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हालांकि पिछले हफ्ते तुर्किये के विदेश मंत्री हकन फिदान ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से सीमा पर हालात को लेकर बातचीत की थी। इसी बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शांति तभी संभव है जब अफगान तालिबान पाकिस्तान विरोधी उग्रवादियों से अपने संबंध खत्म करे। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान अपनी सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

अब समझिए पूरे संघर्ष की कहानी : गौरतलब है कि सीमा पर लड़ाई मुख्य रूप से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान इलाकों में हो रही है। दोनों देश एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन मीडिया की पहुंच सीमित होने के कारण इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ऐसे में अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि पिछले पांच दिनों में 150 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि 28 अफगान सैनिक भी मारे गए। दूसरी ओर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा कि पिछले छह दिनों में 481 अफगान सैनिक मारे गए। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे उग्रवादी संगठन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं। लेकिन काबुल की सरकार इन आरोपों से इनकार करती है और कहती है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं होने देती।

अक्षर पटेल भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पर: गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अक्षर पटेल क्रिकेट के हर विभाग में अपने शानदार कौशल और क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ रखने के कारण भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं जिसकी एक बानगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में देखने को मिली जिसमें उन्होंने अपनी शानदार फील्डिंग से प्रभावित किया।

अक्षर पटेल ने खेल के दो अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण चरणों में खतरनाक हैरी ब्रूक और विल जैक्स को आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर शानदार कैच लेकर ब्रूक को पवेलियन भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की वाइड फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट की ओर खेला। अक्षर ने अपनी बाईं ओर दौड़कर गेंद को लपका लेकिन सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 'अक्षर ने ब्रूक का जो कैच लिया वह अविश्वसनीय था। ब्रूक मैच का रुख बदल सकते हैं और उनका विकेट हासिल करने का हर मौका भुनाना चाहिए। अक्षर ने वही किया। वह 24 मीटर दौड़े, गेंद पर नजर रखी, खुद पर नियंत्रण बनाए रखा और कैच लपक लिया। अविश्वसनीय।' उन्होंने कहा, 'विल जैक्स को आउट करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। (जैकब) बेथेल और जैक्स की साझेदारी मैच को इंग्लैंड के पक्ष में कर रही थी। लेकिन अक्षर अपनी बाईं ओर दौड़े, गेंद पकड़ी और चतुराई दिखाकर उसे शिवम दुबे के पास पहुंचा दिया। इससे उनकी क्रिकेट की समझ और अच्छी सूझबूझ का पता चलता है।'

गावस्कर ने कहा, 'शीर्ष स्तर पर आपकी सूझबूझ और जज्बा ही महान खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है। अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर अक्षर भारत के महान खिलाड़ियों में से एक बनने जा रहे हैं।' गावस्कर ने कहा कि रवींद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अक्षर ने उनकी जगह को अच्छी तरह से भर दिया है।

इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'उनसे पहले हमारे पास रवींद्र जडेजा थे और अक्षर उनकी कमी को बखूबी पूरा कर रहे हैं। उनकी गेंदबाजी में थोड़ा और निखार की जरूरत है। अनुभव के साथ यह आ जाएगा। उनकी लाइन, लेंथ और गति में निरंतर सुधार हो रहा है।' गावस्कर ने इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज सदियों में एक बार पैदा होते हैं। वह सभी प्रारूप में खेलते हैं। इसलिए चाहे टेस्ट मैच हो या वनडे या फिर टी20 आप उन्हें गेंद दे दीजिए और वह अपना काम बखूबी निभाएंगे।'

लियोनेल मेस्सी ने डोनाल्ड ट्रंप को भेंट की रत्नों से जड़ी गुलाबी फुटबॉल

वाशिंगटन (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने पिछले साल मेजर लीग सॉकर (MLS) कप जीतने पर इंटर मियामी को सम्मानित करने के लिए व्हाइट हाउस में आयोजित एक समारोह के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रत्नजड़ित गुलाबी फुटबॉल भेंट की।

इंटर मियामी ने दिसंबर में वैंकूवर व्हाइटकैप्स को हराकर मेजर लीग सॉकर का खिताब जीता था। अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेस्सी को लगातार दूसरे सत्र में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (MVP) चुना गया था। ट्रंप ने कहा, 'लियो (मेस्सी) आप टीम से जुड़े और आपकी टीम ने जीत हासिल की। आपके लिए अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं था। सच कहूं तो आप पर जितना दबाव था, उतना किसी को पता भी नहीं होगा, क्योंकि उम्मीद की जा रही थी कि आप जीत दिलाने में सफल रहेंगे और आपने ऐसा किया।'

मेस्सी ने ट्रंप के साथ समारोह में प्रवेश किया। वर्ष 2023 में मियामी से जुड़ने वाले मेस्सी ने कार्यक्रम के दौरान भाषण नहीं दिया। ट्रंप ने मेस्सी को संबोधित करते हुए कहा, 'आप दुनिया में कहीं भी जा सकते थे। आप दुनिया की कोई भी टीम चुन सकते थे, लेकिन आपने मियामी को चुना। मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि आपने हम सभी को इस सफर में शामिल किया। आप प्रतिभाशाली और एक बेहतरीन इंसान हैं।'

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लवलीना और निकहत से रहेंगी पदकों की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन रही निकहत ज़रीन करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने कड़ी चयन प्रणाली के आधार पर इस चैम्पियनशिप के लिए अपनी टीम का चयन किया है। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित किये गये संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में अवसर मिलेगा। इस कारण इस चैंपियनशिप का महत्व और बढ़ गया है। लवलीना को 75 किग्रा वर्ग में महिला टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली है। स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति 54 किग्रा, अरुंधति चौधरी 70 किग्रा और प्रिया 60 किग्रा को भी शामिल किया गया है। विश्व चैंपियन मीनाक्षी 48 किग्रा और जैस्मीन 57 किग्रा भी टीम का हिस्सा हैं। महिला वर्ग में निकहत ज़रीन 51 किग्रा में अगुवाई करेंगी। उनके साथ अंकुशिता बोरो 65 किग्रा, पूजा रानी 80 किग्रा, अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान 80 किग्रा रहेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने को उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

टी20 फ्रेंचाइजी खरीदेंगे द्रविड़ और अश्विन, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लंदन (एजेंसी)। दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़ और रविचंद्रन अश्विन उस भारतीय समूह का हिस्सा हैं जो यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) में एक फ्रेंचाइजी खरीदने जा रहा है। बीबीसी स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार गर्मियों में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट में ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी को खरीदने के लिए इस समूह ने एक समझौते पर सहमति जताई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईटीपीएल नीदरलैंड के रॉटरडैम स्थित अपनी फ्रेंचाइजी को भी दक्षिण अफ्रीका के निवेशकों के एक समूह को बेचने की तैयारी में है। इस समूह में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी फाफ डुप्लेसी, हेनरिक क्लासेन और जोंटी रोड्स भी शामिल हैं। संभावना है कि इस महीने के आखिर में एक कार्यक्रम में दोनों फ्रेंचाइजी की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग में स्थित ईटीपीएल फ्रेंचाइजी को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के निवेशकों को बेच दिया गया था।

अभी यह पता नहीं चल पाया है कि अश्विन ईटीपीएल में खेलेंगे या नहीं। इस 39 वर्षीय खिलाड़ी ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया था। अब वह वैश्विक फ्रेंचाइजी लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अश्विन की भागीदारी बेहद दिलचस्प है। इससे उनके ईटीपीएल में खेलने की संभावना बन गई है, जो आयोजकों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।'

अश्विन ने भारत के लिए 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल 765 विकेट लिए। द्रविड़ पूर्व में स्कॉटलैंड की क्रिकेट से जुड़े रहे हैं और माना जा रहा है कि यही कारण है कि उन्होंने ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने का फैसला किया।

स्कॉटलैंड जब इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में भाग लेता था तब द्रविड़ 2003 में उसके लिए खेले थे। भारत के दिग्गज बल्लेबाज द्रविड़ ने नेशनल क्रिकेट लीग में 11 मैच खेले, जिसमें उन्होंने तीन शतकों सहित 600 रन बनाए। द्रविड़ ने भारत के लिए 164 टेस्ट और 344 वनडे मैच खेले। उन्होंने इनमें 48 शतकों सहित 24,000 से अधिक रन बनाए। वह नवंबर 2021 से जून 2024 तक भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच भी रहे।

डायने पैरी ने वीनस विलियम्स को किया इंडियन वेल्स से बाहर

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)। फ्रांस की टेनिस खिलाड़ी डायने पैरी ने सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को पहले दौर के मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। फ्रांस की डायने पैरी ने गुरुवार को दो घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में अमेरिका की वीनस को 3-6, 6-7 (4), 1-6 से हराया। इसी के साथ वीनस का बीएनपी परिबास ओपन 2026 में अभियान समाप्त हो गया। बीएनपी परिबास ओपन को इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के नाम से भी जाना जाता है। वीनस विलियम्स ने इंडियन वेल्स में पदार्पण के 30 साल बाद की वापसी थी। उन्होंने पहली बार 1996 में 15 वर्ष की उम्र में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। उन्हें इस टूर्नामेंट के एकल और युगल ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड दिया गया था।

टी20 विश्व कप : संजू सैमसन की हालिया इनिंग्स पर बोले रवि शास्त्री, इसी बदलाव की वजह से आए परिणाम

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि बल्लेबाजी करते समय संजू सैमसन मानसिक रूप से अधिक मजबूत हैं और टी-20 विश्वकप में उनके हालिया परिणाम इसी बदलाव की वजह से आए हैं।

शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिरकार उन्हें यह एहसास हो गया है और वे इस बात को मान रहे हैं कि उन्हें और अधिक एकाग्र होने की आवश्यकता है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपनी ताकत पर ध्यान देना होगा।संजू के साथ बात यह है कि उनके पास हर शॉट आता है, लेकिन एकाग्रता में कमी रह जाती है। मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप मजबूत हो गया है और जब से वह टीम में आया है, तब से किसी को भी उसके कौशल या प्रतिभा पर शक नहीं हुआ है।'

शास्त्री ने कहा है कि उसका सर्वश्रेष्ठ फॉर्म अभी बाकी है क्योंकि भारतीय टीम में उसकी भूमिका अब साफ तौर पर तय है। उन्होंने कहा, 'वह अभी भी सिर्फ 31 साल का है और एक असली मैच-विनर है। और जब आप (आज) जैसे शॉट खेलते हुए देखते हैं, तो उसमें क्लास, टच, पावर और जबरदस्त फोर्स दिखती है। यह बस अविश्वसनीय है।' हालांकि सैमसन का फॉर्म भारत के लिए एक सुखद सरप्राइज रहा है, लेकिन साथी ओपनर अभिषेक शर्मा की हालिया कोशिशें न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले टी-20 विश्वकप के फाइनल से पहले कुछ चिंता का विषय हैं।

आईपीएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी : प्रसाद

मुम्बई। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीलएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में उतरेगी। अभी राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) इस स्टेडियम में सभी तैयारियों को पूरा करने के इंतजाम कर रहा है। केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद को उम्मीद है कि 15 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के एकत्रित होने से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी जरुरी इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे। आरसीबी ने इससे पहले कहा था कि वह आईपीए 2026 के शुरुआती मैच सहित पांच लीग मैच इस स्टेडियम में खेलेगी जिसके साथ ही घरेलू मैदानों को लेकर जारी संदेश दूर हो गया था। प्रसाद ने कहा, ''हां, अब भी स्टेडियम में कुछ काम बचा हैं और जहां तक हमारा सवाल है यह तय समय सीमा के अंदर पूरा हो जाएगा जो हमने महेश्वर राव की अध्यक्षता वाली (राज्य द्वारा नियुक्त) विशेषज्ञ समिति को दी है।'' उन्होंने कहा, ''हमने उन्हें जितना हो सका उतना संतुष्ट कर दिया है।गौरतलब है कि पिछले साल आरसीबी के आईपीएल खिताब जीतने के बाद हुए समारोह में हुडदंग मचने के बाद से ही चिन्नास्वामी स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे ।इस कारण इसमें मैचों के आयोजन पर भी रोक लगा दी गयी थी जो अब हटा दी गयी है।

टी20 विश्व कप : चक्रवर्ती की फॉर्म भारत के लिए चिंता, साथी क्रिकेटर बोला- वह अब भी तुरुप का इक्का

मुंबई (एजेंसी)। पिछले कुछ मैचों में वरुण चक्रवर्ती के खराब प्रदर्शन को देखकर लग रहा है कि उनकी रहस्यमयी गेंदबाजी का रहस्य अब सुलझता नजर आ रहा है लेकिन उनके साथी खिलाड़ी अब भी इस लेग स्पिनर को अपनी टीम का तुरुप का इक्का मानते हैं। अगर टीम प्रबंधन रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज को टीम में बनाए रखने का फैसला करता है, तो वह भारत के लिए कमजोर कड़ी साबित हो सकते हैं। टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण के बाद से उनकी फॉर्म में लगातार गिरावट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

चक्रवर्ती को टूर्नामेंट के अंतिम चरण में खराब प्रदर्शन करने के बाद अपने मन में मौजूद शंकाओं को दूर करने की जरूरत होगी। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मैच में जैकब बेथेल ने चक्रवर्ती को अपने निशाने पर रखा था। इस भारतीय गेंदबाज ने चार ओवर में 64 रन देकर एक विकेट लिया। भारत के उप कप्तान अक्षर पटेल ने हाल ही में चक्रवर्ती से बातचीत की है और इस बात पर जोर दिया कि जब चीजें अनुकूल नहीं चल रही हों तब भी अपनी रणनीति पर कायम रहना कितना महत्वपूर्ण है।

अक्षर ने कहा, 'हमने चक्रवर्ती की मौजूदा समस्याओं के बारे में बात की है। हमने इस समय कई नॉकआउट मैच खेले हैं, इसलिए सही मानसिकता का होना बहुत महत्वपूर्ण है। कौशल और बाकी चीजें भी मायने रखती हैं, लेकिन हमने उससे यही कहा कि जब उसकी गेंदों पर रन बनने लगें तो अपनी रणनीति को नहीं बदलें।'

उन्होंने कहा, 'पहले आपकी रणनीति विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने की होती है और फिर अचानक आप लाइन बदल देते हैं। दबाव वाली परिस्थितियों में गलतियां हो सकती हैं। हम उसे लगातार यही कहते रहते हैं कि तुम टीम के लिए तुरुप का इक्का हो। खुद पर भरोसा रखो और पूरे आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी करो।'

वरुण ने सेमीफाइनल से पहले नेट पर जमकर अभ्यास किया, लेकिन पावरप्ले में गेंदबाजी करने के बाद वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए। इंग्लैंड ने चक्रवर्ती के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी और बाएं हाथ के बल्लेबाज बेथेल ने उन्हें किसी भी समय लय हासिल नहीं करने दी। उन्होंने चक्रवर्ती के पहले ही ओवर में तीन छक्के जड़े। बेथेल ने चक्रवर्ती की 13 गेंदों में 42 रन बनाए। चक्रवर्ती पिछले कुछ समय से बहुत शॉर्ट या फिर ओवर पिच गेंदबाजी कर रहे हैं जिससे बल्लेबाजों के लिए उनकी गेंदों को समझना आसान हो गया है।

अक्षर ने कहा, 'अगर आप देखें तो कुछ छक्के खाने के बाद भी उसने जोस बटलर का विकेट लिया। वह नंबर एक टी20 गेंदबाज है और वह जानता है कि उसे क्या करना है। यह मानसिकता की बात है। हमें अभी एक और मैच खेलना है और उम्मीद है कि वह फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चक्रवर्ती को अपनी गति कम

करनी होगी। हरभजन ने कहा, 'वह मैच विजेता गेंदबाज है लेकिन शुरुआत से ही निशाना बनाए जाने पर कोई भी गेंदबाज दबाव में आ जाता है। तेज गति के अलावा वह सही लेंथ से गेंदबाजी नहीं कर पा रहा है। विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करना उसका मजबूत पक्ष है लेकिन कई बार उसने अपनी इस रणनीति से हटकर वाइड गेंदें फेंकी हैं। वह दबाव में हैं। उसे बस इतना करना है कि वह नेट पर जमकर अभ्यास करे।'

एशियन कप में जापान से भिड़ेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। भारतीय सीनियर महिला नेशनल टीम शनिवार को रेक्टेंगुलर स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने दूसरे ग्रुप सी मुकाबले में मजबूत जापान से भिड़ेगी। फीफा महिला वर्ल्ड रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान को ब्लू टाइग्रेसेस (67वें स्थान पर) पर साफ बढ़त मिली है, क्योंकि उसने पिछले तीनों मैच जीते हैं। नादेशिको ने इन तीन मैचों में 19 बार गोल किए हैं। वहीं अपने पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हारने के बावजूद भारत अभी ग्रुप में तीसरे स्थान पर है। भारत को वियतनाम के खिलाफ मैच में मिली हार से उबरने के लिए दो दिन मिले हैं और जापान के खिलाफ मुकाबले के लिए अपने खिलाड़ियों को अच्छी हालत में वापस लाना मुख्य कोच अमेलिया वाल्वर्डे की प्राथमिकताओं की सूची में सबसे ऊपर है। वाल्वर्डे ने कहा, 'हम जानते हैं कि जापान एक ऐसी टीम है जो बहुत जोश के साथ पजेशन रखना पसंद करती है। उन्हें गेम पर हावी होना पसंद है, लेकिन हमें अपना गेम स्वयं तैयार करना होगा। हमें उम्मीद है कि हम शानदार प्रदर्शन करेंगे, फिर से बहुत कॉम्पिटिटिव होंगे, जैसा हम पिछले बुधवार को थे। हम गेम के पहले मिनट से ही कोशिश करेंगे। हमें अपनी एनर्जी अपनी टीम पर फोकस करने की आवश्यकता है।'

'भारत खुशकिस्मत है कि बुमराह जैसा गेंदबाज हमारे पास है': पूर्व ऑलराउंडर

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की रोमांचक जीत के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी चर्चा का केंद्र बन गई है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि भारत बेहद खुशकिस्मत है कि ऐसा गेंदबाज टीम के लिए खेलता है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बुमराह की डेथ ओवर गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया। पठान का मानना है कि बुमराह जैसे गेंदबाज पीढ़ियों में एक बार ही देखने को मिलते हैं।

इरफान पठान ने बुमराह की जमकर की तारीफ

इरफान पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह भारत को मिला एक बेहद खास गेंदबाज है। उनके अनुसार क्रिकेट इतिहास में बहुत कम गेंदबाज ऐसे हुए हैं जिनके पास इतनी विविधता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता हो। पठान ने कहा कि बुमराह के पास यॉर्कर, स्लोअर बॉल, इनस्विंग, आउटस्विंग और बाउंसर जैसी हर तरह की गेंद है, जिससे वह किसी भी बल्लेबाज को मुश्किल में डाल सकते हैं। उनका मानना है कि भारत को पहले कभी बुमराह जैसा गेंदबाज नहीं मिला और दुनिया में भी इस तरह के गेंदबाज बेहद कम देखने को मिलते हैं।

डेथ ओवर में बुमराह ने बदला मैच का रुख

सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 253/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें संजू सैमसन की 89 रन की शानदार पारी शामिल थी। जवाब में इंग्लैंड ने दमदार बल्लेबाजी की और मैच आखिरी ओवरों तक रोमांचक बना रहा। लेकिन मुकाबले का सबसे अहम मोड़ तब आया जब जसप्रीत बुमराह ने 18वां ओवर फेंका।उस समय इंग्लैंड को आखिरी तीन ओवरों में 45 रन की जरूरत थी, लेकिन बुमराह ने अपने ओवर में सिर्फ छह रन दिए और चार सटीक यॉर्कर डाले। इस शानदार ओवर ने इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया।

हार्दिक पांड्या ने बढ़ाया दबाव

बुमराह के शानदार ओवर के बाद हार्दिक पांड्या ने 19वें ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। उन्होंने इस ओवर में सिर्फ नौ रन दिए और खतरनाक बल्लेबाज सैम करन को आउट कर दिया। अंत में इंग्लैंड की टीम 246/7 तक ही पहुंच सकी और भारत ने सात रन से मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

बुमराह को मिलना चाहिए था प्लेयर ऑफ द मैच

इरफान पठान का मानना है कि इस मुकाबले में बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह मैच एक बेहद फ्लैट पिच पर खेला गया था, जहां लगभग 500 रन बने। पठान के मुताबिक ऐसे हालात में जहां बाकी गेंदबाज 10 या उससे ज्यादा इकॉनमी से रन दे रहे थे, वहां बुमराह ने रन पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उनका कहना है कि कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी ही असली मैच विनर होता है।

क्रिकेटिंग इंटेलिजेंस ने दिलाया अहम विकेट

पठान ने बुमराह की क्रिकेटिंग समझ की भी खास तौर पर तारीफ की। उन्होंने बताया कि जब बुमराह गेंदबाजी करने आए तो उनके सामने इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक थे। बुमराह ने तेज गेंद फेंकने की बजाय चतुराई दिखाते हुए स्लोअर बॉल का इस्तेमाल किया, क्योंकि उन्हें पता था कि ब्रूक तेज गेंदों को पसंद करते हैं। इस रणनीति ने काम किया और ब्रूक का कैच अक्षर पटेल ने लपक लिया।

फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा मुकाबला

सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 1/33 का प्रभावी स्पेल डाला, जबकि अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने भी अहम विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया। अब भारत का सामना फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा। यह मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां भारतीय टीम एक और आईसीसी खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स के कार्यक्रम में बदलाव नहीं : औल्ड

मेलबर्न। खाड़ी में जारी संघर्ष के बाद भी फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन तय समय पर ही किया जाएगा। इसकी अभ्यास रेस 6 मार्च से शुरु होगी। वहीं मुख्य रेस 8 मार्च को होगी। ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस औल्ड ने कहा है कि अधिकारियों, टीम सदस्यों और ड्राइवरों पर इस संघर्ष का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में सत्र की इस पहली रेस के कार्यक्र में बदलाव नहीं होगा। औल्ड ने माना है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के करण बड़े स्तर पर उड़ानों के रद्द होने से कुछ टीमों को अपनी यात्रा योजनाएं बदलनी पड़ी हैं। इसी को देखते हुए कि फॉर्मूला वन टीम के अधिकारी इस प्रयास में लगे हैं कि ड्राइवर और टीम के लोग वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित रुप से मेलबर्न पहुंच सकें। औल्ड ने कहा, हर कोई रेस के लिए यहां आने तैयार है , इससे प्रशंसकों को तय कार्यक्रम के अनुसार ही रेस देखने को मिलेगी जो उनके लिए भी राहत की बात है । उन्होंने कहा, कुछ ड्राइवर और कुछ टीम सदस्य पहले से ही ऑस्ट्रेलिया में हैं पर ब्रिटेन और यूरोप से कई सदस्यों को आना है जिसमें रेसर भी शामिल हैं। ऐसे में इन्हें कोई अन्य वैकल्पिक रास्ता देखना होगा। मुझे भरोसा है कि वे लोग भी इस बारे में विचार कर रहे होंगे। वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो हजार एफ वन कर्मचारियों को पश्चिम एशिया में फंसने से बचने के लिए यूरोप से मेलबर्न के लिए अपनी उड़ानों को फिर से पुर्नप्रबंधित करना होगा। फार्मुला वन करीब 500 स्टाफर्स को तीन विशेष उड़ानो से लाने का प्रयास कर रहा है।

थिएटर मालिकों को मिल रही धमकियां : विपुल शाह

बॉलीवुड फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह का आरोप है कि केरल और चेन्नई के कई सिनेमाघरों पर फिल्म न दिखाने का दबाव बनाया जा रहा है। विपुल शाह ने दोनों राज्यों के प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। उनका कहना है कि थिएटर मालिकों को धमकियां मिल रही हैं ताकि वे फिल्म की स्क्रीनिंग रोक दें। उन्होंने कहा कि अदालत का आदेश स्पष्ट है और उसका पालन होना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब फिल्म पर स्टे था, तब टीम ने पूरी तरह कानून का सम्मान किया और किसी भी तरह की अवैध स्क्रीनिंग नहीं की। ऐसे में यदि केवल फिल्म निर्माता से कानून पालन की अपेक्षा रखी जाए और धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई न हो, तो न्याय व्यवस्था का संतुलन बिगड़ जाता है। शुक्रवार को केरल हाई कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर लगी अंतरिम रोक हटा दी थी। यह फैसला डिवीजन बेंच द्वारा स्टे हटाए जाने के बाद आया, जो पहले सिंगल बेंच ने लगाया था। अदालत के आदेश के बाद फिल्म की स्क्रीनिंग का रास्ता साफ हुआ और फिल्म दोबारा सिनेमाघरों में दिखाई जाने लगी। विपुल शाह का दावा है कि जिन स्थानों पर फिल्म प्रदर्शित हो रही है, वहां दर्शकों का रिएक्शन बेहद सकारात्मक है। थिएटर मालिक और डिस्ट्रीब्यूटर भी फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं और आने वाले दिनों में शो और स्क्रीन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। कलेक्शन की बात करें तो कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी 'द केरल स्टोरी 2' ने पहले दिन 75 लाख रुपये कमाए थे। दूसरे दिन 4.65 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 5.40 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। बता दें कि विपुल अमृतलाल शाह और सुदिप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' लंबे समय तक विवादों में घिरी रही थी। फिल्म की रिलीज पर केरल हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक ने मामले को और तूल दिया, लेकिन 27 फरवरी को अदालत से हरी झंडी मिलने के बाद इसके सीक्वल 'द केरल स्टोरी 2' आखिरकार सिनेमाघरों तक पहुंच गई।

सोनू सूद फिर आए मदद को आगे

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए हैं। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कई देशों में हवाई सेवाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे दुबई में कई लोग फंस गए हैं। इस स्थिति को देखते हुए सोनू सूद ने वहां फंसे लोगों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की पेशकश की है। अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि जो लोग दुबई में फंसे हुए हैं और असहाय महसूस कर रहे हैं, वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी टीम जरूरतमंदों को सुरक्षित रहने की व्यवस्था कराने में हर संभव मदद करेगी। सोनू सूद इससे पहले भी कई मानवीय कार्यों के लिए चर्चा में रह चुके हैं। कोविड-19 के दौरान उन्होंने हजारों प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद से लोग उन्हें 'मसीहा' के नाम से भी पुकारने लगे। फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पहल की जमकर सराहना की है। लोगों का कहना है कि कठिन परिस्थितियों में भी सोनू सूद हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं।

संदीपा ने की अपनी फिल्म दो दीवाने सहर में की तारीफ

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म दो दीवाने सहर में अभिनेत्री संदीपा धर नजर आईं। इस फिल्म में संदीपा ने नैना नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है जो बाहर से तो परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से बेहद अकेली है। अपने किरदार के बारे में संदीपा ने बताया कि इस फिल्म को चुनने की सबसे बड़ी वजह नैना का जटिल और गहराई वाला किरदार था। उनके अनुसार, बाहरी खुशहाल छवि के पीछे छिपी उथल-पुथल और टूटे हुए एहसासों को परदे पर दिखाना एक कलाकार के रूप में चुनौतीपूर्ण होने के साथ बेहद रोमांचक भी रहा। संदीपा ने फिल्म की कहानी की भी जमकर तारीफ की और कहा कि लंबे समय बाद दर्शकों के सामने ऐसी अनूठी प्रेम कहानी आई है, जो सामान्य रोमांस से अलग है। यह दो ऐसे लोगों की कहानी है जो अपनी-अपनी कमजोरियों को पहचानते हैं, उन्हें स्वीकार करते हैं और एक-दूसरे को अपनाते हुए अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हैं। उनके मुताबिक, हीरो-हीरोइन द्वारा अपनी कमियों को स्वीकारते हुए प्यार चुनने वाली कहानियां आजकल बहुत कम देखने को मिलती हैं। फिल्म की रिलीज के बाद संदीपा धर बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म बिल्कुल उसी तरह बनी है जैसा उन्होंने उम्मीद की थी और उनका किरदार भी दर्शकों द्वारा उसी रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने बताया कि फिल्म के दूसरे हिस्से में उनका और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का टकराव वाला सीन काफी महत्वपूर्ण था, और यह दर्शकों के बीच खासा चर्चित भी रहा। कई लोगों ने उस सीन से खुद को जोड़कर उनकी तारीफ की है। फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है, जबकि इसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संदीपा ने भंसाली के प्रोडक्शन हाउस में काम करने के अनुभव को खास बताते हुए कहा कि उनका विजुअल विजन हमेशा की तरह बेहद प्रभावशाली है।

'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे ने झेली महीनों तकलीफ़

अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा से साल 2025 में बॉलीवुड के उभरते अभिनेता अहान पांडे ने धमाकेदार पहचान बनाई थी। इस सफलता के पीछे एक ऐसा दर्द था, जिसे अब अहान ने पहली बार साझा किया है। एक्टर ने खुलासा किया कि फिल्म रिलीज होने के तुरंत बाद उन्हें जिंदगी की सबसे तकलीफदेह सर्जरी से गुजरना पड़ा, जिसने उन्हें महीनों तक सामान्य जीवन से दूर रखा। अहान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें पिछले साल एक बड़ी सर्जरी करानी पड़ी, जो बेहद दर्दनाक रही। उन्होंने कहा कि उनका शरीर इतनी परेशानी से गुजरा कि लंबे समय तक वे न तो सामान्य तौर पर चल-फिर पा रहे थे और न ही वजन उठा पा रहे थे। यह स्थिति उनके लिए शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर चुनौती बन गई। कुछ साल पहले हुए एक स्नोमोबाइल हादसे का असर उनके कंधे पर गंभीर रूप से पड़ा था। चोट इतनी गहरी थी कि समय के साथ यह बढ़ती ही चली गई और जिम में वर्कआउट करना उनके लिए लगभग असंभव हो गया। आखिरकार उन्होंने सर्जरी का निर्णय लिया, हालांकि डॉक्टर ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी कि ऑपरेशन के बाद उनका शरीर पहले जैसा नहीं रह पाएगा और फिल्मों के लिए जरूरी फिजिक हासिल करना उनके लिए बेहद मुश्किल होगा। अहान के मुताबिक, वह हमेशा उन एक्टर्स से प्रेरणा लेते रहे हैं जो जिम में जाकर अपनी बॉडी में जबरदस्त बदलाव लाने में सफल होते हैं। लेकिन उनका मामला बिल्कुल अलग था—वे अनहेल्दी शरीर नहीं, बल्कि एक गंभीर चोट से जूझ रहे थे। उन्होंने बताया कि पहले चलना-फिरना भी मुश्किल था, फिर वे वजन नहीं उठा पाते थे, और अंत में महीनों की मेहनत के बाद वे फिर से वेटलिफ्टिंग करने की स्थिति में आए। सर्जरी के बाद वे लंबे समय तक हाथ पर प्लास्टर बांधे रहे, लेकिन उन्होंने इसे सार्वजनिक नहीं होने दिया। अपने दर्द को छुपाकर उन्होंने खुद को दोबारा खड़ा किया और अब वापस अपने फिटनेस रूटीन में लौट आए हैं। अहान पांडे की कहानी सिर्फ एक अभिनेता की सफलता का किस्सा नहीं है, बल्कि यह उन कठिन रास्तों की भी दास्तान है, जिन्हें वे पर्दे के पीछे चुपचाप पार करते हैं। 'सैयारा' की सफलता के बाद आज अहान का नाम तेजी से ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, लेकिन इस सफर में उनकी जिद, जुझारूपन और संघर्ष सबसे ज्यादा चमकते हुए नजर आते हैं। बता दें कि मोहित सूरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई और अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरी फिल्म बन गई।

श्रद्धा और वरुण के बचपन की कहानी है बेहद दिलचस्प

एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने खुलासा किया कि जब वह केवल 8 साल की थीं, तब उन्होंने वरुण को प्रपोज किया था। दोनों अपने-अपने पिता के साथ एक फिल्म के सेट पर गए थे। वहां खेलने के दौरान वे एक छोटी पहाड़ी पर चढ़ गए और इसी मासूमियत भरे माहौल में श्रद्धा ने वरुण के सामने अपना दिल खोल दिया। श्रद्धा कपूर और वरुण धवन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी हमेशा पसंद की जाती रही है, लेकिन इन दोनों की बचपन की एक कहानी इससे भी ज्यादा दिलचस्प है। श्रद्धा ने बताया कि उन्होंने वरुण को प्रपोज करने के लिए एक मजेदार तरीका निकाला। उन्होंने कहा कि वह कुछ उल्टा बोलेंगी और वरुण को उसे समझना होगा। श्रद्धा ने मजाक में कहा 'यू लव आई' जो उल्टा पढ़ने पर 'आई लव यू' होता है। इस पर छोटे वरुण घबरा गए और बोले, 'मुझे लड़कियां पसंद नहीं हैं,' ' और तुरंत वहां से दौड़कर भाग गए। श्रद्धा ने यह किस्सा एक यूट्यूब इंटरव्यू में हंसते हुए साझा किया था। बड़े होकर दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। दोनों ने एबीसीडी 2, स्ट्रीट डांसर 3डी में शानदार केमिस्ट्री दिखाई। इसके अलावा, वे स्त्री 2 में भी स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। साल 2010 में श्रद्धा कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म तीन पत्ती से की थी। 2011 में वह लव का द एंड में दिखाई दीं, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म आशिकी 2 से। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता आदित्य रॉय कपूर थे। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और श्रद्धा को कई अवॉर्ड नॉमिनेशन मिले। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर ने गायक राहुल जयकर की भूमिका निभाई थी, जो शराब की लत के कारण अपना करियर खो देता है, जबकि श्रद्धा ने आरोही शिरके का किरदार निभाया, जो उनकी मदद से एक सफल सिंगर बनती है। इसके बाद श्रद्धा ने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें एक विलेन, बागी, हाफ गर्लफ्रेंड, स्त्री, छिछोरे, और तू झूठी मैं मक्कार शामिल हैं। हाल ही में उनकी फिल्म स्त्री 2 ने दुनियाभर में 800 करोड़ से ज्यादा की कमाई करते हुए बड़ी हिट साबित हुई।

बॉलीवुड को अक्सर गलत तरीके से किया जाता है पेश: सुनील शेट्टी

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की लगातार खराब की जा रही छवि पर हाल ही में अभिनेता सुनील शेटटी ने खुलकर अपनी बात रखी है। एक इवेंट में उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म जगत को अक्सर गलत तरीके से पेश किया जाता है, जबकि इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार और तकनीशियन हैं, जो पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए समर्पित हैं। उनका कहना था कि दर्शकों को यह समझना चाहिए कि पूरी इंडस्ट्री नकारात्मकता से भरी नहीं होती। सुनील के मुताबिक, बॉलीवुड से जुड़े लोग लगातार सुर्खियों में रहते हैं, इसलिए उनके बारे में सकारात्मक से ज्यादा नकारात्मक बातें फैलती हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप एक्टर, सिंगर, खिलाड़ी या एंटरटेनर होते हैं, तो आप हमेशा जनता की नजरों में रहते हैं। ऐसे में आपके बारे में अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें कही जाती हैं, जो कई बार स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना देती हैं।' उन्होंने आगे कहा कि बॉलीवुड पर अक्सर गलत नैरेटिव थोप दिया जाता है। कई लोग मानते हैं कि अगर ड्रग्स या मी टू जैसे मामले सामने आए हैं तो वे केवल फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित हैं, जबकि हकीकत यह है कि ऐसा समाज के हर हिस्से में होता है। सुनील के अनुसार इंडस्ट्री में बड़ी संख्या में मेहनती, सजग और प्रतिभाशाली लोग काम कर रहे हैं, लेकिन नकारात्मक कंटेंट आज के समय में टीआरपी और व्यूज का आसान जरिया बन चुका है, इसलिए आलोचना ज्यादा दिखाई देती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आज मुद्दा यह नहीं रहा कि खबर सही है या नहीं, बल्कि यह कि कौन इसे सबसे पहले प्रस्तुत करता है। बातचीत के दौरान सुनील ने अपने बेटे अहान शेटटी को दी गई सीख के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अहान को पहले एक अच्छा इंसान बनने की सलाह देते हैं, क्योंकि इंसानियत ही किसी को लंबी दौड़ का खिलाड़ी बनाती है। अहान हाल ही में फिल्म बार्डर 2 में नजर आए थे, जो सुनील शेट्टी की प्रतिष्ठित फिल्म 'बॉर्डर' का स्पिरिचुअल सीक्वल है। यह फिल्म 23 जनवरी को रिलीज हुई और भारत में 327 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता बन गई।

छलका आयशा खान का दर्द

एक्ट्रेस आयशा खान इन दिनों अपने हालिया खुलासों को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया कि एक बार उन्हें केवल शरीर के आकार के कारण एक गाने से बाहर कर दिया गया था। आयशा ने कहा कि उन्हें 'मोटी' कहकर प्रोजेक्ट से हटाया गया, जिससे उन्हें काफी मानसिक आघात पहुंचा। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सोशल मीडिया पर उन्हें रोजाना अश्लील संदेश और धमकियां मिलती हैं। आयशा के मुताबिक इंस्टाग्राम पर कई लोग उन्हें सेक्शुअलाइज करते हैं और कुछ यूजर्स तो रेप की धमकियां तक देते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इस तरह की घटनाएं मानसिक रूप से बेहद परेशान करने वाली होती हैं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका मानना है कि कलाकारों को भी सम्मान और सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए। आयशा खान हाल ही में फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में नजर आई थीं, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में बॉडी शेमिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग जैसी समस्याएं अब भी गंभीर रूप से मौजूद हैं।

फिल्म मालामाल विकली का बनने जा रहा है सीक्वल

कॉमेडी से भरपूर फिल्म मालामाल विकली का सीक्वल बनने जा रहा है। करीब बीस पूर्व रीलिज हुई प्रियदर्शन की इस कल्ट कॉमेडी ने एक गुम हुए लॉटरी टिकट की कहानी को लेकर दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इसके सीक्वल की खबर से फैंस फिर से उत्साहित हैं। फिल्म में परेश रावल राजपाल यादव, रितेश देशमुख और दिवंगत ओम पुरी ने यादगार भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि 'मालामाल वीकली 2' की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, मगर फिल्म के मुख्य अभिनेता परेश रावल ने इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया, 卐हां, यह सच है। मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और हम इसे कर रहे हैं।卐 पहली फिल्म में लॉटरी टिकट बेचने वाले लीलाराम की भूमिका निभाने वाले परेश रावल दोबारा इसी किरदार में कमाल दिखाने की तैयारी में हैं। दिलचस्प रूप से, साल 2012 में कमाल धमाल मालामाल रिलीज़ हुई थी, जिसे 'मालामाल वीकली' का रीबूट माना गया था। इसमें भी परेश रावल के साथ राजपाल यादव, ओम पुरी और नाना पाटेकर ने बेहतरीन अभिनय से कॉमेडी का स्तर ऊंचा रखा था। हालांकि उस समय इसे आधिकारिक सीक्वल नहीं कहा गया था, लेकिन इस बार फिल्म के सीधे सीक्वल की पुष्टि ने पुराने दर्शकों की यादें ताजा कर दी हैं। इस बीच परेश रावल दूसरी फिल्म भागमभाग 2 को लेकर भी चर्चा में हैं, जो उनकी 2006 की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है।
इस बार फिल्म में बड़ा बदलाव यह है कि गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी नजर आएंगे, जिससे कहानी और प्रस्तुति में नए रंग जुड़ने की उम्मीद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो परेश रावल आने वाले महीनों में कई बड़ी फिल्मों के साथ दर्शकों के बीच लौटने वाले हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म भूत बंगला में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे, जो 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। इसके साथ ही, सुपरहिट तिकड़ी अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल फिर से दर्शकों का मनोरंजन करेगी क्योंकि अभिनेता फिल्में वेलकम टू द जंगल और हेराफेरी 3 में भी नजर आएंगे।

एक नजर

रूस से कच्चा तेल खरीद सकेगा भारत

ईरान जंग के कारण अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी, पेट्रोल-डीजल महंगा नहीं होगा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया कि राष्टपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं।

सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद कर्नाटक मेकेदातु प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ेगा : सिद्धारमैया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कहा कि विवादित मेकेदातु परियोजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु की ओर से दायर याचिका का खारिज होना राज्य के लिए बड़ी कानूनी सफलता है। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही लंबे समय से रुकी इस परियोजना के लिए अगले कदम उठाएगी। विधानसभा में 2026-27 के लिए राज्य का बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेकेदातु परियोजना के लिए संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जल्दी तैयार की जाएगी और इसे मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

स्क्वाड्रन लीडर अनुज | फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर

असम में वायुसेना का सुखोई फाइटर जेट क्रैश

दोनों पायलट की मौत, जोरहाट से 60 किमी दूर हादसा; सेना पायलटों-विमान की तलाश में जुटी

नई दिल्ली(एजेंसी)। असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में ट्रेनिंग के दौरान रडार से गायब हुआ भारतीय वायु सेना का सुखोई Su-30MKI फाइटर जेट क्रैश हो गया है। हादसे में दोनों पायलट स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर की भी मौत हो गई है। वायु सेना ने गुरुवार देर रात 1 बजकर 9 मिनट पर क्रैश की पुष्टि की थी। शुक्रवार सुबह 9.14 पर एक और X पोस्ट में दोनों पायलट की मौत की जानकारी दी। सेना के मुताबिक तलाशी अभियान जारी है। जब ये हादसा हुआ तब फाइटर जेट नियमित उड़ान या मिशन पर था।

राजस्थान का गौरव: रावतभाटा के अनुज अग्निहोत्री बने UPSC 2025 के ऑल इंडिया टॉपर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

देश की प्रतिष्ठित संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में अनुज अग्निहोत्री ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। रावतभाटा (जिला चित्तौड़गढ़) निवासी अनुज की इस शानदार सफलता से पूरे राजस्थान में खुशी और गर्व का माहौल है। अनुज अग्निहोत्री की इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए यह गर्व और प्रेरणा का विषय बन गई है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि कठिन परिश्रम, अनुशासन, निरंतर अध्ययन और मजबूत संकल्प के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर देश की सबसे कठिन तंमानी जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि है। अनुज की इस सफलता से प्रदेश के लाखों युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा मिलेगी। अनुज की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों का कहना है कि अनुज ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा और मेहनत के दम पर छोटे शहरों और गांवों के युवा भी देश के सर्वोच्च पदों तक पहुंच सकते हैं। राजस्थान के लिए यह गौरव का क्षण है कि प्रदेश के एक होनहार युवा ने देशभर में पहला स्थान प्राप्त कर राज्य की प्रतिभा का परचम लहराया है।?? दैनिक भीम प्रज्ञा की ओर से अनुज अग्निहोत्री को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

खेतों की मेड़ से UPSC तक....किसान परिवार के बेटे निशांत कुमार ने 899वीं रैंक हासिल कर रचा इतिहास

भीम प्रज्ञा न्यूज़ कोटपुतली।

कोटपूतली बहरोड जिले के बानसूर क्षेत्र के गांव नांगल भाव सिंह के रहने वाले निशांत कुमार पुत्र स्वर्गीय गैंदाराम ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) 2025 की परीक्षा में सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। सामान्य कृषक परिवार में जन्मे निशांत कुमार ने ऑल इंडिया 899वीं रैंक प्राप्त कर यह साबित कर दिया कि कड़ी मेहनत और मजबूत इरादों के सामने कोई भी मुश्किल बड़ी नहीं होती।निशांत कुमार का सपना बचपन से ही सिविल सर्वेंट बनने का था, लेकिन उनके जीवन में संघर्षों की कमी नहीं रही। जब निशांत महज दो साल के थे, तभी उनके पिता का देहांत हो गया था। ऐसे में परिवार पर आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का बोझ आ गया, लेकिन इन कठिन परिस्थितियों के बावजूद निशांत ने अपने सपनों को टूटने नहीं दिया।

निशांत सात भाई-बहनों में सबसे छोटे हैं। उनके बड़े भाई नीतीश कुमार ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और वर्तमान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण निशांत को पढ़ाई के साथ-साथ संघर्ष भी करना पड़ा। उन्होंने कुछ समय तक एक निजी विद्यालय में अध्यापन कार्य भी किया, ताकि परिवार का सहयोग कर सकें और अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। निशांत की सफलता की सबसे खास बात यह है कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के केवल सेल्फ स्टडी के दम पर PSC जैसी कठिन परीक्षा में सफलता हासिल की। खेतों में काम करने के साथ-साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और लगातार मेहनत करते रहे। इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता भी आसान नहीं था। निशांत को करीब आठ प्रतियोगी परीक्षाओं में असफलता का सामना करना पड़ा। यह उनका तीसरा UPSC अटेम्प्ट था। इससे पहले दो बार वे मेन्स परीक्षा तक पहुंचे, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। लगातार असफलताओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और आखिरकार अपने सपने को साकार कर दिखाया। दिलचस्प बात यह है कि जब PSC का परिणाम घोषित हुआ, उस समय निशांत खेत में सरसों की कटाई के काम में व्यस्त थे। जैसे ही सफलता की खबर मिली, परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। बेटे की सफलता की खबर सुनकर उनकी मां भावुक हो गईं और कहा कि मेरे बेटे ने परिवार और गांव का नाम रोशन कर दिया।निशांत कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां और गुरुजनों को दिया है। उनकी यह उपलब्धि आज पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

टोहाना सदर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 20 किलो डोडा पोस्त मामले में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

सोहनलाल परिहार । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन (आईपीएस) के नेतृत्व में जिला पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस ने डोडा पोस्त तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 7 हजार रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है। थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक सादीराम ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान कान्हा राम पुत्र जगदीश निवासी ठरवा के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी से नशे की बिक्री से प्राप्त 7 हजार रुपये बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी 2026 को पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव ठरवा निवासी कृष्ण कुमार उर्फ कालू अपनी ढाणी में भारी मात्रा में डोडा पोस्त रखकर बेचने का काम करता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और तलाशी के दौरान आरोपी के मकान के पीछे बने तुड़ी वाले कमरे से एक प्लास्टिक कट्टे में करीब 20 किलो 100 ग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद किया गया था।

जयपुर में नमाज के दौरान मस्जिद की दीवार गिरी

मलबे में 19 लोग दबे, 8 की हालत गंभीर, मस्जिद के अंदर 1000 लोग मौजूद थे

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में नमाज के दौरान मस्जिद की दीवार गिरने से 19 लोग मलबे में दब गए। घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बचाव कार्य शुरू किया। सभी को मलबे से बाहर निकाला। घायलों को कांवटिया अस्पताल ले जाया गया। घटना के समय मस्जिद में करीब 1000 लोग मौजूद थे। हादसा भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र के फिरदौस मस्जिद में दोपहर करीब 2.30 बजे हुआ। गंभीर रूप से घायल 8 लोगों को स्क्स अस्पताल रेफर किया गया। इनमें रुस्तम (40), ईशान (34), खुर्शीद (25), सुहैल (25), इमाम जफर (20) और इकबाल (18) व दो अन्य लोग शामिल हैं। पानीपेंच निवासी घायल कन्या (18) ने बताया- मैं मस्जिद के बाहर बैठी थी। अंदर बड़ी संख्या में लोग नमाज पढ़ रहे थे, तभी अचानक ऊपर से दीवार गिर गई। हादसे में मेरी पीठ और कमर में चोट आई है।

ट्रम्प बोले- ईरान मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुने

तेल अवीव/तेहरान(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी।एक्सिओस को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर अमेरिका को शामिल किए बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो इसका कोई मतलब नहीं होगा।

गुढ़ागौड़जी क्षेत्र का गौरव: रोहिन कुमार ने UPSC में 39वीं रैंक हासिल कर रचा इतिहास

बामलास के सरपंच एडवोकेट जयपाल जाखड़ के सुपुत्र ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन पाकर बढ़ाया जिले का मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागोड़जी।

कड़ी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण के दम पर झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी क्षेत्र की ग्राम पंचायत बामलास के होनहार युवक रोहिन कुमार जाखड़ ने देश की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। रोहिन कुमार, जो ग्राम पंचायत बामलास के सरपंच एडवोकेट जयपाल जाखड़ के सुपुत्र हैं, का चयन संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय 39वीं रैंक के साथ हुआ है। इस उपलब्धि के साथ उनका चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के लिए हुआ है। रोहिन की इस ऐतिहासिक सफलता से पूरे गुढ़ागौड़जी क्षेत्र, बामलास गांव तथा जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। जैसे ही उनके चयन की खबर सामने आई, परिवारजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने बधाइयों का तांता लगा दिया। ग्रामीणों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया। परिजनों ने बताया कि रोहिन कुमार बचपन से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे हैं। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और निरंतर प्रयास से यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि ग्रामीण परिवेश से आने वाले युवा भी दृढ़ निश्चय और मेहनत के बल पर देश की सर्वोच्च सेवाओं में स्थान प्राप्त कर सकते हैं। रोहिन कुमार की इस उपलब्धि को पूरे झुंझुनूं जिले के लिए प्रेरणादायक बताया जा रहा है। क्षेत्र के युवाओं ने कहा कि रोहिन की सफलता उन्हें बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने रोहिन कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों का कहना है कि उनकी यह सफलता न केवल परिवार और गांव के लिए बल्कि पूरे राजस्थान के लिए गर्व का विषय है। रोहिन कुमार की सफलता यह साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

नबीपुर की बेटी नेहा राबिया ने UPSC में हासिल की 690वीं रैंक, शेखावाटी का बढ़ाया मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहपुर शेखावाटी

मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। इस बात को सच साबित किया है सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी क्षेत्र के नबीपुर गांव की होनहार बेटी नेहा राबिया ने। नेहा पुत्री महेंद्र कुमार राबिया ने देश की प्रतिष्ठित संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर 690वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार, गांव और पूरे शेखावाटी क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। नेहा की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही नबीपुर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव में ग्रामीणों और परिजनों ने मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई और एक-दूसरे को बधाइयां दीं। लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और सम्मान का क्षण बताया।संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में गिनी जाती है। इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए वर्षों की कठिन मेहनत, धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है। नेहा राबिया ने अपने मजबूत इरादों और निरंतर प्रयासों के बल पर यह मुकाम हासिल कर यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि मेहनत और समर्पण ही सफलता की असली कुंजी है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाली नेहा आज शेखावाटी क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं। उनकी सफलता से यह संदेश गया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्चे मन से की जाए तो किसी भी मंजिल को हासिल किया जा सकता है। नेहा की इस सफलता से फतेहपुर शेखावाटी क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे सीकर जिले और राजस्थान में गौरव और उत्साह का माहौल है। परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने नेहा को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ग्रामीणों का कहना है कि नेहा राबिया की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और क्षेत्र के युवाओं, विशेष रूप से बेटियों को शिक्षा के माध्यम से बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। नबीपुर गांव की यह प्रतिभाशाली बेटी आज पूरे शेखावाटी क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है और यह संदेश दे रही है कि दृढ़ निश्चय, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ हर सपना साकार किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com